www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा सर्जियो गोर को भारत में...
3 महिलाओं ने निर्जला उपवास रख श्रद्धा के साथ की...
4 डीएमसी ने किया शहर के विभिन्न क्षेत्रों का...

वर्ष: 9 | अंक: 303 | दिल्ली, बुधवार, 27 अगस्त 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

संविधान सिर्फ किताब नहीं है, हिंदुस्तान की शक्ति है: राहुल गांधी

बिहार (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने विरोधियों पर निशाना साधने के लिए व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेता है। उन्होंने दावा किया कि महात्मा गांधी के खिलाफ भी यही तरीका अपनाया गया था। राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह कई बार कह चुके हैं कि भाजपा सरकार 40-50 साल तक चलेगी। इसलिए, मुझे आश्चर्य हुआ कि उन्हें कैसे पता कि वे 40-50 साल तक सत्ता में रहेंगे? यह एक अजीब बयान था। आज देश के सामने सच्चाई सामने आ गई है कि वे (भाजपा) 'वोट चोरी' करते हैं। इसकी शुरूआत गुजरात से हुई, फिर 2014 में यह राष्ट्रीय स्तर पर आया और फिर अन्य राज्यों में...मैं झूठ नहीं बोलता, मैं केवल तभी बात कहता हूं जब मेरे पास तथ्य होते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि मेरे द्वारा की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस पर किसी भी बीजेपी नेता ने अपनी टिप्पणी नहीं दी, खासकर जब वे हर चीज पर टिप्पणी करते हैं। पीएम मोदी और अमित शाह ने एक शब्द भी नहीं कहा। चोर हमेशा चुप रहता है क्योंकि उसे पता होता है कि वह पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि संविधान कहता है कि हर भारतीय को वोट देने का अधिकार है। संविधान के बिना, आपके पास कोई अधिकार नहीं है।

झूठ को सच नहीं बनाया जा सकता: गिरिराज सिंह

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को बिहार में कांग्रेस की 'मतदाता अधिकार यात्रा' की आलोचना की और कहा कि विपक्ष झूठ को सच नहीं बना सकता। पत्रकारों से बात करते हुए, गिरिराज सिंह ने वोट चोरी के आरोपों को झूठा बताया। उन्होंने कहा कि वे बिहार के दौरे पर हैं, तो उन्हें दौरा करने दीजिए, यह उनका काम है, लेकिन वे झूठ को सच नहीं बना सकते। 'वोट चोरी' एक झूठ है। आज 26 अगस्त है, वे एक भी मतदाता का पंजीकरण क्यों नहीं करा पाए? इससे साबित होता है कि वे झूठ को सच बनाना चाहते हैं। विपक्ष पर वार करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि क्या वे (विपक्ष) चाहते हैं कि बांग्लादेशी यहां वोट दें? क्या ये लोग बिहार को भोला समझते हैं? क्या वे बिहार की जनता को गुमराह करना चाहते हैं? तंज भरे लहजे में भाजपा नेता ने कहा कि जो दो लोग (राहुल गांधी और तेजस्वी यादव) बिहार की सड़कों पर घूम रहे हैं, ये वही लोग हैं जिन्होंने दशकों तक गरीबों को वोट नहीं डालने दिया। क्या बिहार उन्हें नहीं जानता... उनके पास कोई जनसमर्थन नहीं बचा है और बार-बार हार की हताशा में वे भारत की संवैधानिक व्यवस्था को तोड़ने में लगे हैं। बिहार की जनता सतर्क है। बिहार में मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मतदाता सूची पर लगाए गए आरोपों के कारण किसी भी तरफ झुकता हुआ नहीं दिख रहा है, इसलिए भाजपा अपने लिए स्थिति स्थिर करने पर विचार कर रही है।

धार्मिक पर्यटन को मिली नई उड़ान, कई परियोजनाओं का हुआ शिलान्यास

पटना (एजेन्सी)। बिहार की ऐतिहासिक और पौराणिक पहचान को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने सोमवार को बक्सर जिले में महर्षि विश्वामित्र पार्क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। सोन नहर के स्केप चैनल के दोनों ओर विकसित होने वाला यह पार्क बक्सर की सांस्कृतिक विरासत और पौराणिक महत्व को नए अंदाज में प्रस्तुत करेगा। पार्क में वॉकिंग ट्रैक, ओपन जिम, योगा पार्क, ओपन एयर एम्फीथिएटर, केबल-आधारित हैंगिंग ब्रिज, ग्रामीण हाट, जेन गार्डन, कैफेटेरिया और बच्चों के खेलने का जोन जैसी सुविधाएं होंगी। गंगा तट पर महर्षि विश्वामित्र की आदमकद प्रतिमा और सिद्धाश्रम म्यूजियम पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण होंगे। दूषित जल और कचरे के निस्तारण के लिए मिनी एसटीपी और बायो-रेमेडिएशन तकनीक का उपयोग किया जाएगा।

माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले मार्ग पर भूस्खलन, पाँच लोगों की मौत, 14 घायल

(एजेन्सी)।

कटरा। मंगलवार दोपहर त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले मार्ग पर भूस्खलन होने से पाँच लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। इस दौरान क्षेत्र में लगातार भारी बारिश जारी रही। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित इस पवित्र मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई। अर्ध कुंवारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास बचाव अभियान चल रहा है, जहां दोपहर करीब 3 बजे भूस्खलन हुआ था। यह पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक 12 किलोमीटर लंबे रास्ते के लगभग आधे रास्ते पर स्थित है।

कटरा और उसके आसपास बचाव और राहत कार्यों में सहायता के लिए भारतीय सेना की तीन राहत टुकड़ियाँ तुरंत तैनात कर दी गई हैं। एक टुकड़ी अर्धकुंवारी में लोगों की जान बचाने में सक्रिय रूप से लगी हुई है, दूसरी टुकड़ी कटरा-ठाकरकोट मार्ग पर भूस्खलन स्थल पर पहुँच गई है, और तीसरी टुकड़ी जौरियाँ के दक्षिण में काम कर रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर बताया कि जम्मू-कश्मीर के वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भारी बारिश के कारण भूस्खलन से हुआ हादसा अत्यंत दुःखद है। इस सम्बन्ध में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला जी और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा जी से बात की। घायलों की मदद के लिए स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है और NDRF की टीम भी वहाँ पहुँच रही है।

हिमकोटि ट्रेक मार्ग पर यात्रा दिन में ही स्थगित कर दी गई थी। तीर्थयात्री दोपहर 1.30 बजे तक पुराने मार्ग पर चलते रहे, जब अधिकारियों ने मूसलाधार बारिश के कारण इसे पूरी तरह से रोक दिया। लगातार तीन दिनों से हो रही भारी बारिश ने जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में तबाही मचा दी है। आज सुबह, कठुआ और किश्तवाड़ में इसी तरह की आपदाओं के बाद, डोडा जिले में बादल फटने से चार लोगों की मौत हो गई। अचानक हुई भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई जिससे क्षेत्र में 10 से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हो गए।

मूसलाधार बारिश के बीच कई जगहों पर ऑप्टिकल फाइबर केबल क्षतिग्रस्त होने से पूरे क्षेत्र में नेटवर्क बाधित होने की खबर है। लगभग सभी प्रमुख नदियाँ और नाले खतरे के निशान से ऊपर या उसके पास बह रहे हैं, जिससे निचले इलाके और सड़कें जलमग्न हो गई हैं। अधिकारियों ने लोगों से पहाड़ी ढलानों और जलाशयों से दूर रहने का आग्रह किया है। पहलगाम की बेताब घाटी में, शेषनाग नाले ने अपना सर्वकालिक रिकॉर्ड 5.68 फीट तोड़ दिया और 6.02 फीट तक बढ़ गया।

सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सुरक्षित हाथों में है: उपराज्यपाल

हरित परिवहन को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है दिल्ली सरकार: रेखा गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लोधी एस्टेट स्थित सरदार पटेल विद्यालय में हरित परिवहन की पहल को बढ़ावा देने के लिए 24 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों को रिबन काटकर रवाना किया। इस अवसर पर उपराज्यपाल श्री वी. के. सक्सेना ने कहा है कि दिल्ली आज सुरक्षित हाथों में है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मात्र छह महीने में दिल्ली की हवा बदलने की दिशा में कार्य शुरू किया है, वह सराहनीय है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी कहा कि प्रकृति के साथ जुड़ना ही प्रगति है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण को कम करने और हरित परिवहन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत केवल तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ठोस कदम है।

स्कूलों को ईवी बसें उपलब्ध कराना सरकार की प्रदूषण के खिलाफ एक प्रभावी पहल है। इसका उद्देश्य है कि स्कूली बच्चें प्रदूषण रहित बसों में यात्रा करें और मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। इस अवसर पर उपराज्यपाल श्री वी. के. सक्सेना ने विश्वास जताया कि आने वाले दो से तीन वर्षों में दिल्ली में ऐसे अद्भुत परिवर्तन दिखाई देंगे, जिनकी प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी। विद्यालय परिसर में छात्रों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की सराहना करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि आज पर्यावरण संरक्षण के लिए शुरू की गई इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 1200 छात्रों का आवागमन होगा, जिससे 400-500 निजी वाहनों का बोझ सड़कों से कम होगा। इससे न केवल प्रदूषण घटेगा, बल्कि यातायात व्यवस्था भी सुगम होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सभी स्कूल और कॉलेज इस प्रकार की पहल करें, तो प्रदूषण की समस्या का बहुत हद तक समाधान हो सकता है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि यह पहल न केवल विद्यार्थियों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करेगी, बल्कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार की दिशा में भी एक महत्त्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदूषण कम करना दिल्ली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपराज्यपाल महोदय की पहल पर सरकार पहले ही कूड़े के पहाड़ हटाने, धूल नियंत्रण, वृक्षारोपण और यमुना तट-विकास जैसे कई प्रयास कर रही है। अब स्कूली बसों को इलेक्ट्रिक मोड पर परिवर्तित करना इस दिशा में एक निर्णायक पहल है। उन्होंने कहा कि प्राइवेट व सरकारी स्कूलों की डीजल-सीएनजी बसें भी प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका निभाती हैं और यदि सभी स्कूल इन्हें इलेक्ट्रिक में बदलें तो राजधानी की हवा और अधिक स्वच्छ होगी।

मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल विद्यालय द्वारा दिल्ली सरकार के सहयोग से संपूर्ण बस बेड़े को ई-बसों में परिवर्तित करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली की रगों में प्रदूषण नहीं, बल्कि स्वच्छ हवा बहेगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि दिल्ली सरकार सभी स्कूलों में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास से जुड़े प्रतियोगिताओं का आयोजन करेगी, ताकि बच्चे प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी समझें और जीवनभर इन मूल्यों का पालन करें। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि देशभक्ति का अर्थ आज यह नहीं है कि केवल देश के लिए मरना पड़े, बल्कि हर नागरिक को प्रतिदिन यह सोचकर कार्य करना होगा कि वह अपने शहर व देश को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषणमुक्त बनाने में कितना योगदान दे रहा है।

यात्रियों की सुविधा के लिए गणेशोत्सव पर रिकॉर्ड 380 से अधिक फेरे लगाएंगी गणपति स्पेशल ट्रेनें

- वर्ष 2023 में रेलवे ने 305 गणपति स्पेशल ट्रेन फेरों का संचालन किया था, जबकि 2024 में यह संख्या बढ़ाकर 358 कर दी गई थी
- रेलवे द्वारा गणपति स्पेशल ट्रेनों की शुरूआत 11 अगस्त से कर दी गई है। विस्तृत जानकारी आईआरसीटीसी की वेबसाइट, रेलवन ऐप और कंप्यूटरीकृत पीआरएस पर उपलब्ध है

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

गोरखपुर। गणेश उत्सव को देखते हुए भारतीय रेलवे ने श्रद्धालु यात्रियों के लिए खास इंतजाम किए हैं। रेलवे ने इस वर्ष श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा के लिए गणपति स्पेशल ट्रेनों के 380 से अधिक फेरों (ट्रिप्स) के संचालन का फैसला लिया है। गणपति उत्सव के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के फेरों का यह नया कीर्तिमान है। इससे पहले वर्ष 2023 और 2024 में भी रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए ना सिर्फ विशेष ट्रेनों का संचालन किया था, बल्कि उनके फेरों की संख्या भी बढ़ाई थी। वर्ष 2023 में रेलवे ने 305 गणपति स्पेशल ट्रेन फेरों का संचालन किया था, जबकि 2024 में यह संख्या बढ़ाकर 358 कर दी गई थी।

यात्रियों की सुविधा के लिए जोनवार संचालित जिन स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाए गए हैं उसके अनुसार महाराष्ट्र और कोंकण क्षेत्र में यात्री मांग को देखते हुए मध्य रेलवे में स्पेशल ट्रेनों के 296 फेरे लगेंगे। वहीं, पश्चिम रेलवे में 56 फेरे, कोंकण रेलवे में 06 फेरे और दक्षिण पश्चिम रेलवे में 22 फेरे शामिल हैं। कोंकण रेलवे पर चलने वाली गणपति स्पेशल ट्रेनों के पड़ाव कोलाड, इंदापुर, मानगांव, गोरेगांव रोड, वीर, सापे वार्मने, करंजडी, विन्हेरे, दीवानखावटी, कलांबनी बुद्रुक, खेड़, अंजनी, चिपलुन, कामथे, सावरदा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अदावली, विलावडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, नंदगांव रोड, कंकावली, सिंधुदुर्ग, कुदाल, जराप, सावंतवाड़ी रोड, मदुरे, थिविम, करमाली, मडगांव जंक्शन, कारवार, गोकामा रोड, कुमता, मुर्डेश्वर, मूकाम्बिका रोड, कुंडापुरा, उडुपी, मुल्की और सुरथकल दिए गए हैं।

वहीं, पश्चिम रेलवे मार्गों पर रास्ते में ट्रेनें बोरीवली, वसई रोड, भिवंडी रोड, पनवेल, पेन, रोहा, मानगांव, वीर, खेड़, चिपलुन, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, कंकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम, करमाली, मडगांव जंक्शन, कारवार, गोकर्ण रोड, कुमता, मुर्डेश्वर, मूकाम्बिका रोड बिंदूर, कुंडापुरा पर रुकेंगी। मध्य रेलवे में गणपति स्पेशल ट्रेनों का ठहराव दादर, ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, मानगांव, वीर, खेड़, चिपलुन, कामथे, सावर्दा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अदावली, विलावडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, नंदगांव रोड, कंकावली, सिंधुदुर्ग, कुडाल और जराप स्टेशन पर दिया गया है। इसी तरह दक्षिण पश्चिम रेलवे की गणपति स्पेशल ट्रेनें एसएमएम हावेरी, हरिहर, दावणगेरे, बिरूर, अरसीकेरे, तुमकुरु, यशवंतपुर, कुनिगल, चन्नरायपटना, हसन, सकलेशपुर, सुब्रह्मण्य रोड, कबाकापुत्तूर और बंटावाला स्टेशनों पर रुकेंगी।

> **यात्री सुविधा के लिए और ट्रेनें जोड़ी जाएंगी**
>
> भारतीय रेलवे के अनुसार जैसे-जैसे त्योहार नजदीक आएगा स्पेशल ट्रेनों की अतिरिक्त सेवाएं जोड़ी जाएंगी, जिससे कि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

11 अगस्त से संचालित हो रही हैं गणपति स्पेशल ट्रेनें: त्योहारों के मौसम में श्रद्धालु यात्री अपनी यात्रा की तैयारी पहले से शुरू कर देते हैं। इसलिए यात्रियों की सहूलियत के लिए रेलवे द्वारा गणपति स्पेशल ट्रेनों की शुरूआत 11 अगस्त से कर दी गई है, जबकि गणेशोत्सव 27 अगस्त से 6 सितंबर 2025 तक मनाया जाएगा। स्पेशल ट्रेनों के बारे में विस्तृत जानकारी आईआरसीटीसी की वेबसाइट, रेलवन ऐप और कंप्यूटरीकृत पीआरएस पर उपलब्ध है। भारतीय रेलवे ने कहा है कि वह यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। खासकर त्योहारों के दौरान जब मांग अत्यधिक बढ़ जाती है, तो यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे की तरफ से खास इंतजाम किए जाते हैं।

'हरतालिका तीज महोत्सव 2025' का आयोजन

हरतालिका तीज भारत और नेपाल के बीच अटूट सांस्कृतिक बंधन का प्रतीक-कपिल मिश्रा

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट एवं हाम्रो स्वाभिमान ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में हरतालिका तीज महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, दिल्ली में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

यह उत्सव योग ऋषि स्वामी रामदेव जी और आचार्य बालकृष्ण जी द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भारत में नेपाल राष्ट्र के राजदूत श्री शंकर प्रसाद शर्मा, विधायक श्री संजय गोयल सहित बड़ी संख्या में नेपाली-गोरखाली समाज एवं दिल्ली के नागरिकों की सहभागिता ने कार्यक्रम को विशेष रूप से सफल बनाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली सरकार इस प्रकार के आयोजनों में आगामी वर्ष से पूर्ण सहयोग और प्रतिबद्धता के साथ सहभागी बनेगी। हरतालिका तीज जैसे पर्व हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आध्यात्मिक परंपरा को सशक्त बनाते हैं। यह आयोजन भारत और नेपाल के बीच अटूट सांस्कृतिक बंधन का प्रतीक है।

मंत्री कपिल मिश्रा ने आगे कहा कि इस महोत्सव ने न केवल हरतालिका तीज की धार्मिक महिमा को उजागर किया बल्कि भारतीय और नेपाली संस्कृति के साझा मूल्यों और परंपराओं को भी जीवंत कर दिया। आगामी वर्ष से दिल्ली सरकार इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में खुद आगे आकर मदद करेगी। नेपाली समाज वीर, पराक्रमी और सनातनी परम्परा को आगे ले जाने वाला समाज है।

इस मौके पर यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तीज की उमंग और उल्लास से सराबोर दिखा। महिलाओं ने शिव-पार्वती व्रत कथा का श्रद्धापूर्वक पालन किया और पारंपरिक गीत-संगीत एवं नृत्य की प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्ति और उल्लास से भर दिया।

धान की खरीद सीजन: पंजाब सरकार नमी को स्टैंडर्डाइज करने के लिए मंडियों में पीएयू द्वारा कैलिब्रेटेड नमी मीटर लगाएगी

कृषि मंत्री खुड्डियां ने आढ़ती संघ के साथ मंत्रियों की कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। धान की खरीफ खरीद सीजन से पहले सुचारु खरीद कार्यों को सुनिश्चित करने के लिए पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स गुरमीत सिंह खुड्डियां की अध्यक्षता वाली मंत्रियों की समिति (जीओएमज) ने फेडरेशन ऑफ आढ़ती एसोसिएशन, पंजाब के साथ बैठक की और उनकी जायज मांगों व चिंताओं को दूर करने का आश्वासन दिया।

पंजाब भवन में आयोजित बैठक में कृषि मंत्री स गुरमीत सिंह खुड्डियां और परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय कालड़ा के नेतृत्व में आए प्रतिनिधियों से रचनात्मक चर्चा की। कैबिनेट मंत्रियों ने सभी मांगों और मुद्दों को ध्यान से सुना और समाधान का भरोसा दिया। एसोसिएशन की मुख्य मांग पर बोलते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि नमी के माप को मानकीकृत करने के लिए सभी अनाज मंडियों में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू), लुधियाना द्वारा कैलिब्रेट किए गए नमी मीटर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य नमी के आकलन में एकरूपता और सटीकता लाना है। एसोसिएशन ने यह भी अनुरोध किया कि धान की फसल में नमी के प्रबंधन के लिए कंबाइन से कटाई का समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित किया जाए। खरीद कार्यों में आढ़तियों की अहम भूमिका को स्वीकारते हुए कैबिनेट मंत्रियों ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार उनकी भलाई के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है। मंत्रियों ने भरोसा दिलाया कि सीजन शुरू होने से पहले मंडियों में सफाई, पीने का पानी, शेड, बिजली समेत सभी जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएंगी।

इस दौरान एसोसिएशन ने हाल ही में मंडी मजदूर दरों में 10 प्रतिशत वृद्धि करने के निर्णय के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और पंजाब सरकार का धन्यवाद किया और कहा कि यह निर्णय मजदूरों के हित में बेहद अहम है।

इस अवसर पर अन्य वरिष्ठ अधिकारी जैसे डॉ. बसंत गर्ग (प्रबंधकीय सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण), श्री रामवीर (सचिव, पंजाब मंडी बोर्ड), सोनाली गिरी (एमडी, पनसप), वरिंदर कुमार शर्मा (निदेशक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले) तथा संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

संघ का निर्माण भारत को केंद्र में रखकर हुआ है और इसकी सार्थकता भारत के विश्वगुरु बनने में है: मोहन भागवत

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यानमाला के प्रथम दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि संघ का निर्माण भारत को केंद्र में रखकर हुआ है और इसकी सार्थकता भारत के विश्वगुरु बनने में है। संघ कार्य की प्रेरणा संघ प्रार्थना के अंत में कहे जाने वाले भारत माता की जय से मिलती है। संघ के उत्थान की प्रक्रिया धीमी और लंबी रही है, जो आज भी निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि संघ भले हिंदू शब्द का उपयोग करता है, लेकिन उसका मर्म वसुधैव कुटुंबकम है। इसी क्रमिक विकास के तहत गांव, समाज और राष्ट्र को संघ अपना मानता है। संघ कार्य पूरी तरह स्वयंसेवकों द्वारा संचालित होता है। कार्यकर्ता स्वयं नए कार्यकर्ता तैयार करते हैं।

व्याख्यानमाला के उद्देश्य पर मोहन भागवत ने कहा कि संगठन ने विचार किया कि समाज में संघ के बारे में सत्य और सही जानकारी पहुंचनी चाहिए। वर्ष 2018 में भी इसी प्रकार का आयोजन हुआ था। इस बार चार स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित होंगे ताकि अधिक से अधिक लोगों तक संघ का सही स्वरूप पहुँच सके। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की परिभाषा सत्ता पर आधारित नहीं है। हम परतंत्र थे, तब भी राष्ट्र था। अंग्रेजी का नेशन शब्द स्टेट से जुड़ा है, जबकि भारतीय राष्ट्र की अवधारणा सत्ता से जुड़ी नहीं है। स्वतंत्रता संग्राम और उसके बाद देश में उपजी विचारधाराओं का विकास पर कहा कि 1857 में स्वतंत्रता का पहला प्रयास असफल रहा, लेकिन उससे नई चेतना जागी। उसके बाद आंदोलन खड़ा हुआ कि आखिर कुछ मुट्ठीभर लोग हमें कैसे हरा सके। एक विचार यह भी उभरा कि भारतीयों में राजनीतिक समझ की कमी है। इसी आवश्यकता से कांग्रेस का उदय हुआ, लेकिन स्वतंत्रता के बाद वह वैचारिक प्रबोधन का कार्य सही प्रकार से नहीं कर सकी। यह दोषारोपण नहीं, बल्कि तथ्य है।

सम्पादकीय

वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा

वोट चोर गद्दी छोड़ ये नारा इस समय पूरे बिहार में धूम मचा चुका है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ महागठबंधन के सारे दलों की वोटर अधिकार यात्रा को इस समय बिहार में भारी समर्थन मिल रहा है। यात्राएं हमेशा ही नयी मंजिल पर ले जाती हैं, फिर चाहे वह राजनैतिक यात्रा ही क्यों न हो। पाठक जानते हैं कि राहुल गांधी ने इससे पहले भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा की है और अब एक तरह से दिन और दूरी के हिसाब से ये उनकी तीसरी बड़ी यात्रा है। पिछले साल जब हरियाणा में चुनाव हुए थे, तब भी राहुल गांधी ने संक्षिप्त यात्रा निकाली थी, हालांकि उसका कोई लाभ नहीं मिला। हरियाणा में कांग्रेस को हार मिली, महाराष्ट्र में भी महाविकास अघाड़ी महायुति के सामने हार गई। कांग्रेस समेत तमाम विपक्ष का आरोप है कि इन चुनावों में चोरी हुई है। लगभग साल भर से यही आरोप लग रहे हैं, लेकिन भाजपा ने इन पर इंकार करते हुए उल्टा विपक्ष पर ही सवाल उठाए। लेकिन विपक्ष के इरादे इन सवालों से बदले नहीं और अब बिहार में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव दोनों ने ऐलान कर दिया है कि चाहे जो हो जाए, हम वोट चोरी होने नहीं देंगे। इस वोट चोरी के इल्जाम के पीछे मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण है, जिसमें भाजपा के साथ-साथ चुनाव आयोग भी मतदाता सूची शुद्धिकरण कह रहा है। लेकिन किसी कवायद में संस्कृतनिष्ठ शब्द जोड़ देने मात्र से वह सही नहीं हो सकती। कोई भी बात तभी सही होती है, जब उसे करने के पुख्ता आधार हों। साध्य और साधन दोनों की पवित्रता की जो बात महात्मा गांधी कहते थे, चुनाव आयोग को उसे समझने की जरूरत है। विपक्ष ने कई बार सवाल उठाए कि 65 लाख लोगों के नाम काटे गए और एक भी नया नाम जोड़ा नहीं गया, ये कैसा शुद्धिकरण या गहन पुनरीक्षण है। रविवार को अररिया की एक प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने यह भी पूछा कि जब विपक्ष को 65 लाख लोगों के नाम काटे जाने में कुछ गड़बड़ दिख रही है, और वो सवाल कर रहा है, तो भाजपा को इसमें कुछ अटपटा क्यों नहीं लग रहा। क्यों उसने चुनाव आयोग से कोई सवाल नहीं किए। इसी तरह कर्नाटक की महादेवपुरा सीट पर 1 लाख फर्जी वोटों के सबूत जब राहुल गांधी दिखा रहे थे, तो उसी वक्त चुनाव आयोग से उन्हें शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने कहा गया। जबकि राहुल गांधी के बाद भाजपा से अनुराग ठाकुर ने वैसे ही फर्जी मतदाताओं की बात कांग्रेस द्वारा जीती गई सीटों पर कही तो चुनाव आयोग ने आज तक उनसे शपथपत्र नहीं मांगा। गौरतलब है कि पिछले रविवार को ही एक प्रेस कांफ्रेंस कर मुख्य चुनाव आयुक्त ने राहुल गांधी के लिए एक हफ्ते का अल्टीमेटम भी दिया था कि या तो वे माफी मांगें या शपथ पत्र दें, वर्ना ये सबूत बेकार माने जाएंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक ऐसी कोई सूचना नहीं आई है कि इस अल्टीमेटम की याद चुनाव आयोग ने दिलाई हो। बल्कि राहुल गांधी ने फिर से एक प्रेस कांफ्रेंस कर चुनाव आयोग और भाजपा पर अपने आरोप दोहराए हैं, अपनी चेतावनी याद दिलाई है कि हम किसी को छोड़ेंगे नहीं, बिहार में वोट चोरी नहीं होने देंगे। एक वक्त था जब सिंहासन खाली करो कि जनता आती है, यह पंक्ति लोकतंत्र के जीवित होने का प्रमाण बन गई थी। अब वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा हांफते-थकते लोकतंत्र में नयी जान भर चुका है। जिन लोगों में यह हताशा भर गई थी कि हमारे बोलने या शिकायत करने से क्या होगा, उन लोगों में राहुल-तेजस्वी जैसे नेताओं के कारण संघर्ष करने और सच के लिए लड़ने का जज्बा फिर से भर गया है। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा में अपने आप हजारों-लाखों लोगों का हुजूम उमड़ रहा है। चाहे बारिश हो, बिजली चली जाए, कच्चे रास्ते हों या कोई और रुकावट, लोग बिना किसी परवाह के आगे बढ़ रहे हैं। राहुल गांधी का कहना है कि इस यात्रा में कई बच्चे उनके पास आकर वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगा रहे हैं। उनके मुताबिक बिहार का बच्चा-बच्चा अब राजनैतिक रूप से जागरुक हो चुका है। यह असल मायने में जीत है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि -सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए।' आज इस देश को, भारत के लोकतंत्र को जिंदा रखने का काम विपक्ष ही कर रहा है, जबकि खुद वाजपेयी की पार्टी भाजपा ऐसे फैसले ले रही है, जिनमें किसी न किसी तरह लोकतंत्र को कुचलने की बदनीयत दिखती है। जिस एसआईआर पर भाजपा चुनाव आयोग के सामने ढाल की तरह खड़ी हो जाती है, अब उस पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश भी बताते हैं कि इसमें कुछ न कुछ खोट है, जिसे सुधारने की जरूरत है। शुक्रवार को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि वह एसआईआर प्रक्रिया में 11 दस्तावेजों के साथ आधार कार्ड को भी स्वीकार करें और इस पूरी प्रक्रिया को मतदाताओं के अनुकूल बनाएं। यानी जिस बात पर विपक्ष शुरू से सवाल उठा रहा था कि आधार कार्ड को दस्तावेज की लिस्ट में शामिल क्यों नहीं किया गया है, जबकि यह लगभग हरेक के पास होता है, उस सवाल पर आखिर में सुप्रीम कोर्ट ने ही जवाब दे दिया है। हालांकि चुनाव आयोग की पूरी कोशिश थी कि भाजपा के घुसपैठिए वाले एजेंडे को एसआईआर के जरिए आगे बढ़ाए, लेकिन शुक्रवार को इस मुहिम में भाजपा को झटका लग गया है। इसलिए जयराम रमेश ने कहा है कि 'लोकतंत्र भारतीय निर्वाचन आयोग के क्रूर हमले से बच गया है।'

पुण्यतिथि

मुकेश

पूरा नाम: 'मुकेश चन्द्र माथुर', जन्म-22 जुलाई, 1923, दिल्ली; मृत्यु-27 अगस्त, 1976) भारत में संगीत इतिहास के सर्वश्रेष्ठ गायकों में से एक थे। पेशे से एक इन्जीनियर के घर में पैदा होने वाले मुकेश चन्द माथुर के अन्दर वह सलाहियत थी कि वह एक अच्छे गायक बनकर उभरें, और हुआ भी यही। कुदरत ने उनके अंदर जो काबलियत दी थी, वह लोगों के सामने आई और मुकेश की आवाज का जादू पूरी दुनिया के सिर चढ़ कर बोला।

कल मिलेंगे

सात साधु सात चटाई पर बैठे थे... आश्रम में...

एक आदमी आया और सबसे बड़े साधु से पूछा-बाबा, बीवी को नियंत्रित नहीं किया जाता क्या...?

साधु (छोटे साधु से)-एक चैट और लगा भाई के लिए...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा सर्जियो गोर को भारत में अमेरिकी राजदूत नामित किए जाने के मायने

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर रूस का सहयोगी होने और चीन के करीब जाकर उन्हें लाभान्वित करने का आरोप लगाया है। इसलिए उन्होंने अब द्विपक्षीय सहयोग के बजाय भारत के साथ एकतरफा असहयोग का रास्ता चुना है। यही वजह है कि पिछले दिनों जब उन्होंने व्हाइट हाउस के अपने हार्डकोर वफादार सहयोगी सर्जियो गोर को भारत भेजने का फैसला लिया, तो उसके तरह तरह के मायने निकाले जाने लगे

-कमलेश पांडेय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने खास सिपहसालार सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का नया राजदूत नामित किया है। पिछले ढाई दशकों से निरंतर मजबूत होने के बाद एक बार फिर से भारत-अमेरिका सम्बन्ध पुनः उसी चौराहे पर पहुंच चुके हैं, जहां से 20वीं सदी के अंतिम दशक में प्रारंभ हुए थे। इसलिए यह नियुक्ति केवल कूटनीतिक बदलाव भर नहीं मानी जा सकती है, बल्कि इस बात के संकेत दे रही है कि आने वाले समय में भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय रिश्तों का चेहरा और चरित्र दोनों बदलने वाला है। ऐसा इसलिए कि सर्जियो गोर की छवि अमेरिका फर्स्ट एजेंडा के कट्टर समर्थक और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भरोसेमंद सहयोगी के रूप में रही है। इससे यह स्पष्ट है कि अमेरिका अब भारत के साथ अपने रिश्तों को ज्यादा लेन-देन आधारित कूटनीति के नजरिए से देखेगा।

यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक जगत में इस बात की चर्चा तेज हो चुकी है कि पहले 'शत्रु' को 'मित्र' बनाकर और अब 'मित्र' को 'शत्रु' ठहराकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप आखिर भारत को क्या संदेश देना चाहते हैं? जिस तरह से उन्होंने भारत को एक नया अमेरिकी राजदूत दिया है, उसके राजनयिक मायने क्या हैं? क्या दोनों के द्विपक्षीय संबंध सुधरेंगे या फिर उनके बीच की दिखाई पड़ी ताजा गर्मी और बढ़ेगी? ऐसा इसलिए कि जब से डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार अमेरिका की सत्ता संभाली है, अपने सियासी, आर्थिक और सैन्य कूटनीतिक एजेंडे को पूरे रफ्तार से लागू करने में जुटे हुए हैं। इसी सिलसिले में कभी मोदी समर्थक और कभी हिन्दू समर्थक छवि बनाने वाले ट्रंफ अब भारत से भी बेवजह बिदक चुके हैं। यही वजह है कि उनकी ओर से देश दर देश छेड़े गए टैरिफ वॉर से पूरी दुनिया में हलचल मची हुई है।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर रूस का सहयोगी होने और चीन के करीब जाकर उन्हें लाभान्वित करने का आरोप लगाया है। इसलिए उन्होंने अब द्विपक्षीय सहयोग के बजाय भारत के साथ एकतरफा असहयोग का रास्ता चुना है। यही वजह है कि पिछले दिनों जब उन्होंने व्हाइट हाउस के अपने हार्डकोर वफादार सहयोगी सर्जियो गोर को भारत भेजने का फैसला लिया, तो उसके तरह तरह के मायने निकाले जाने लगे। कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि उनकी नियुक्ति का साफ साफ अर्थ है कि अमेरिकी कूटनीति में दीर्घावधि (लॉन्ग टर्म) साझेदारी की जगह तात्कालिक अमेरिकी हितों को प्राथमिकता मिलेगी, जो भारत के लिए एक नई चुनौती होगी, क्योंकि अब वे वार्ता में सहयोग से ज्यादा दबाव और शर्तें बनाने-बढ़ाने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। इससे साफ है कि लेन-देन आधारित कूटनीति का नया दौर शुरू होगा, जिसके लिए मोदी सरकार दुनियाभर में मशहूर हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने हाल ही में भारतीय टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण और तेल से जुड़े उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। जिससे भारत के प्रमुख निर्यात क्षेत्रों समेत लाखों नौकरियों पर आसन्न खतरा उतपन्न हो गया है। इस बारे में वैश्विक मामलों जानकार बताते हैं कि अमेरिका का यह कदम केवल आर्थिक नहीं बल्कि भूराजनीतिक रणनीतिक दबाव का हिस्सा है, जिससे भारत को रूस और चीन के साथ उसके बढ़ते व्यापार पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया जा सके। लेकिनमोदी सरकार का जो मूड दिखाई पड़ रहा है, उससे इसका उलटा असर भी हो सकता है। क्योंकि भारत ने भी हाल के महीनों में मॉस्को और बीजिंग के साथ अपने संबंध और मजबूत किए हैं, जो अमेरिकी प्रभाव को कमजोर कर सकते हैं। इससे ट्रंफ की अंतरराष्ट्रीय चुनौतियां बढ़ सकती हैं। वहीं ब्रिक्स मजबूत हुआ तो डॉलर डिप्लोमेसी भी इतिहास के कब्रगाह में दफन हो सकती है। ऐसा इसलिए कि अमेरिकी टैरिफ का दबाव बढ़ने के बाद भारत कोई आर्थिक जोखिम नहीं उठाएगा, जिससे भारत को झुकाने के ट्रंफ के अरमान धरे के धरे रह जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय जगत में चर्चा है कि सर्जियो गोर को राजदूत के साथ-साथ विशेष दूत की भूमिका भी सौंपी गई है, ताकि भारत की भू-राजनीतिक दिशा को भी अमेरिकी हितों के अनुरूप ढाला जा सके। लेकिन कूटनीतिक विश्लेषकों का स्पष्ट कहना है कि भारत के खिलाफ ट्रंफ की आक्रामक कूटनीतिक रणनीति से उल्टा असर भी हो सकता है और भारत, बदलती वैश्विक परिस्थितियों के दृष्टिगत रूस और चीन की ओर और ज्यादा झुक सकता है। इससे जहां भारतीय गुटनिरपेक्षता को मजबूती मिलेगी, वहीं दक्षिण एशिया में अमेरिकी प्रभाव के सीमित होते जाने का एक नया खतरा मंडरा रहा है। खास बात यह कि जिस पाकिस्तान-बंगलादेश के सहारे अमेरिका भारत को नाराज कर रहा है, उसपर चीन की पकड़ मजबूत हो चुकी है और भारत भी यदि चीन को शह दे देगा तो एशिया से अमेरिकी पांव अफगानिस्तान की तरह ही उखड़ जाएंगे और ट्रंफ की सारी हैकड़ी धरी की धरी रह जायेगी। इसलिए जियो-पॉलिटिकल बैलेंस बनाने के चक्कर में भारत को नाराज करना उन्हें महंगा पड़ सकता है।

समझा जा रहा है कि इन्हीं बातों पर गौर करते हुए अमेरिका ने भारत को अपना सर्वश्रेष्ठ राजदूत दिया है। बताया जाता है कि सर्जियो गोर का कार्यकाल भारत के लिए कतिपय चुनौतियों के साथ-साथ कुछ महत्वपूर्ण अवसर भी ला सकता है। जिसके तहत भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को तेज गति मिलने की संभावना जताई जा रही है। इसके तहत फार्मास्युटिकल्स, आईटी और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग और गहरा सकता है। साथ ही, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और रक्षा उत्पादन में निवेश व साझेदारी के नए रास्ते खुल सकते हैं। हालांकि, इन संभावनाओं को वास्तविकता में बदलने के लिए दोनों देशों को उंस टकराव और तनाव से बचना होगा, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद तेजी से बढ़ा है।

जानकारों का कहना है कि सर्जियो गोर की अमेरिकी निष्ठा और प्रशासनिक क्षमता पर कोई सवाल नहीं है, लेकिन उनके पास विदेश नीति का प्रत्यक्ष अनुभव बेहद कम है। यही वजह है कि ट्रंफ के इस ताजा फैसले से अमेरिकी कूटनीतिक सर्कल और थिंक टैंकों में असहजता देखी जा रही है। घाघ राजनयिकों का दो टूक मानना है कि यह नियुक्ति भारत के साथ संवाद को और जटिल बना सकती है। यदि ऐसा हुआ तो यह अमेरिका के दीर्घकालिक भूराजनीतिक हितों के प्रतिकूल होगा।

बताया जा रहा है कि भारतीय वस्त्र, रत्न और तकनीक से जुड़े कारोबारी क्षेत्रों में निवेशकों के लिए जोखिम बढ़ गया है। क्योंकि क्षेत्र-विशेष टैरिफ और अस्थिर कूटनीतिक वातावरण वैश्विक सप्लाई चेन को प्रभावित कर सकते हैं। यही वजह है कि कूटनीतिक विशेषज्ञ बता रहे हैं कि भारत-अमेरिका रिश्तों में अगले कुछ महीने निवेश और व्यापार जगत के लिए बेहद अनिश्चित रहने वाले हैं। इस प्रकार माना जा रहा है कि सर्जियो गोर की नियुक्ति भारत-अमेरिका संबंधों में संभावनाओं और जोखिमों दोनों का संकेत देती है। जहां एक ओर रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग के नए रास्ते खुल सकते हैं, वहीं लेन-देन आधारित अमेरिकी कूटनीति और ऊंचे टैरिफ दर भारत के लिए बड़ी चुनौतियां खड़ी कर सकते हैं।

यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भारत के रिश्तों को लेकर तमाम अटकलों के बीच भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने साफ किया कि ट्रेड डील पर बातचीत और मोलभाव लगातार चल रहे हैं। उन्होंने अपने मजाकिया अंदाज में कहा, कट्टी नहीं हुई है, लोग आपस में बात कर रहे हैं। बातचीत चल रही है। बता दें कि जयशंकर का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है, जब डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बेहद करीबी सर्जियो गोर को भारत में अगले अमेरिकी राजदूत नियुक्त करने की घोषणा की है।

उल्लेखनीय है कि इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम 2025 में बोलते हुए जयशंकर ने स्पष्ट कहा कि भारत के रूसी तेल खरीदने के मामले पर ट्रंप की घोषणा से पहले कोई चर्चा नहीं हुई थी। यह हास्यास्पद है कि व्यापार-समर्थक अमेरिकी प्रशासन के लोग दूसरों पर व्यापार करने का आरोप लगा रहे हैं। अगर आपको भारत से तेल या रिफाइंड प्रोडक्ट खरीदने में कोई समस्या है, तो उसे न खरीदें। कोई आपको उसे खरीदने के लिए मजबूर नहीं करता। यूरोप खरीदता है, अमेरिका खरीदता है, इसलिए अगर आपको वह पसंद नहीं है, तो उसे मत खरीदें।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मध्यमवर्गीय परिवारों को सुरक्षा प्रदान करेगा ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध का नया कानून

सरकार को इस बात की पूरी जानकारी थी कि आनलाइन गेमिंग एप्स पर प्रतिबंध लगाने से उसे भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है और उद्योग समूहों ने सरकार को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा भी था कि अगर प्रतिबंध लागू हुए तो बड़े पैमाने पर नुकसान होगा तब भी सरकार ने आम जनता और समाज को हो रहे नुकसान को रोकने के लिए यह कड़ा कदम उठाया। सरकार को यह भी पता है कि इस खेल में बहुत बड़े-बड़े लोग शामिल हैं

-मृत्युंजय दीक्षित

संसद का मानसून सत्र वैसे तो विपक्षी दलों के हंगामे की बारिश में बह गया किंतु केंद्र सरकार ने इसमें भी जनता के हितों की सुरक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण विधायी कार्यों को निपटाया और जनमहत्व के कई क्रांतिकारी विधेयक पारित करवाने में सफलता प्राप्त की। यदि विपक्ष इन विधेयकों को पारित करवाने में सरकार के साथ सहयोग करता और सदन में बहस होती तो यह विधेयक और भी अधिक लाभकारी बनाए जा सकते थे किंतु विपक्ष ने बहस में भाग न लेकर यह अवसर गँवा दिया।

केंद्र सरकार ने मध्यमवर्गीय परिवारों को आर्थिक नुकसान, युवाओं को ऑनलाइन गेमिंग की लत से बचाने तथा नुकसान होने पर आत्महत्या करने व अपराध जगत में जाने से बचाने के लिए "प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ आनलाइन गेमिंग बिल-2025" को संसद के दोनों सदनों से पारित करवा लिया। अब इस बिल को राष्ट्रपति की भी अनुमति मिल गई है। इस बिल के पारित होने के बाद से ही अनेक कंपनियों ने ऑनलाइन मनी गेम्स एप बंद करने प्रारंभ कर दिए। नए कानून में आनलाइन मनी गेमिंग की सुविधाएं देने वालों पर तीन साल तक की कैद और एक करोड़ रुपए के जुमार्ने तक का प्रावधान है। ऐसे प्लेटफार्म का विज्ञापन या प्रचार करने पर भी दो साल तक की सजा और 50 लाख तक का जुमार्ना हो सकता है। अब सरकार का फोकस रियल मनी आनलाइन गेम पर रोक लगाने की रहेगी। विधेयक के अनुसार एक नियामक प्राधिकरण बनाने पर भी काम चल रहा है जो आनलाइन गेमिंग क्षेत्र की देखरेख करेगा। कानून का असर उसके बन जाने के पूर्व से ही दिखने लगा क्योकि इसमें 25 करोड़ से अधिक यूजर्स वाली गेमिंग कंपनी जिसमे विंजी भी शामिल है ने अपना आधिकारिक बयान जारी कर अपनी सेवाओं को वापस लेने की घोषणा कर दी। इसके साथ ही ड्रीम-11, रमी सर्कल जैसी प्रमुख कंपनियों ने भी अपने गेम्स को हटाना प्रारंभ कर दिया है। एमपीएल और जुपी ने भी अपना कारोबार समेट लिया है।

भारत में आनलाइन गेमिंग बड़ा कारोबार बन चुका है इसमें लगभग 400 कंपनियां काम कर रही थीं और लगभग दो लाख युवा काम कर रहे थे । कंपनियों में 25 हजार करोड़ का निवेश था जिसमें एफडीआई भी शामिल था। सरकार ने आनलाइन गेमिंग एप पर प्रतिबंध लगाकर अपनी आमदनी का भी नुकसान किया है क्योंकि यह कंपनियां जीएसटी में भी 20 हजार करोड़ का योगदान कर रही थीं। वर्तमान समय में भारत में 1800 गेमिंग स्टार्टअप्स चल रहे थे। सरकार ने अपना मुनाफा त्यागकर मध्यमवर्गीय परिवार के जो लोग हर वर्ष आनलाइन गेमिंग एप्स के चक्कर में पड़कर 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक गंवा देते थे उनका धन बचाने के लिए यह कानून पारित करवाया है। आनलाइन गेमिंग से हर साल 45 करोड़ लोगों को नुकसान होता है।

सरकार को इस बात की पूरी जानकारी थी कि आनलाइन गेमिंग एप्स पर प्रतिबंध लगाने से उसे भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है और उद्योग समूहों ने सरकार को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा भी था कि अगर प्रतिबंध लागू हुए तो बड़े पैमाने पर नुकसान होगा तब भी सरकार ने आम जनता और समाज को हो रहे नुकसान को रोकने के लिए यह कड़ा कदम उठाया। सरकार को यह भी पता है कि इस खेल में बहुत बड़े-बड़े लोग शामिल हैं। उद्योगपति से लेकर खेलों की दुनिया के महारथियों से लेकर शेयर बाजार की उठापटक करवाने वालों से लेकर राजनीति में उथल-पुथल करवाने वाले लोग भी इस खेल में शामिल हैं फिर भी सरकार ने इस खेल को प्रतिबंधित कर दिया है। सरकार को पता है कि इसमें शामिल बहुत से लोग कोर्ट चले जाएंगे तब भी सरकार युवाओं के भविष्य को बचाने के लिए संकल्पबद्ध व अडिग है। कानून को कोर्ट में चुनौती के लिए भी सरकार ने तैयारी कर ली है। विश्व भर की आनलाइन गेमिंग कंपनियों की नजर भारत पर है क्योंकि भारत विश्व का सातवां सबसे बड़ा गेमिंग बाजार है। जैसे ही यह कानून पारित होने की खबर सामने आई वैसे ही ऑनलइन गेमिंग एप्स की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सदन में बिल पारित होते समय केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ऑनलाइन मनी गेमिंग को विकार घोषित किया है। उन्होंने कहा कि रोगों के अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण आईसीडी -11 ने इसे गेमिंग विकार घोषित किया है। आनलाइन मनी गेमिंग सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गया है इसके कारण लोग मनोवैज्ञानिक विकारों और जुनूनी व हिंसक व्यवहार के शिकार हो रहे हैं। यही नहीं आनलाइन गेमिंग के कारण भारत की परिवार संस्कृति पर भी गहरी चोट पहुंच रही है। घरों में बुजुर्गों से लेकर छोटे- छोटे बच्चे तक आनलाइन गेमिंग की लत के ऐसे शिकार हो गये हैं कि उनमें एक -दूसरे को पहचानना व बात करना तक बंद हो गया है, बात होती है तो केवल टास्क पर होती है कौन हारा -कौन जीता पर होती है।

आनलाइन गेमिंग एक महत्वपूर्ण विषय हे जो डिजिटल दुनिया में व्यापक पैमाने पर उभर रहा है। इसके तीन सेगमेंट हैं जिसमें पहला ई स्पोटर्स है जिसमें टीम बनाकर खेलते हैं, मंथन होता है इसमें हमारे खिलाड़ियों ने पदक भी जीते हैं। इस विधेयक में उसे प्रोत्साहित किया जाएगा। दूसरा सेगमेंट आनलाइन सोशल गेम्स हैं जैसे सोलिटेयर, सुडोकू, शतरंज आदि उन्हें भी बढ़ावा दिया जाएगा। तीसरा है आनलाइन मनी गेम्स जो चिंता का विषय हैं। इसकी एल्गोरिदम अस्पष्ट है, कभी-कभी यह जानना भी मुश्किल होता है कि आप किसके साथ खेल रहे हैं।

आनलाइन मनी गेमिंग एप्स पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून लंबे विचार विमर्श के बाद संसद से पारित कराया गया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत प्रयासों का प्रतिफल है कि यह आज कानून बन गया है। कानून बनाते समय प्रधानमंत्री मोदी उन परिवारों की भावुक अपीलों से भी प्रेरित हुए जिन्होंने आनलाइन मनी गेम्स में अपने लोगों को खोया। ई-स्पोट्र्स का सपना देखने वाले युवाओं की कहानियों के सथ कर्ज, लत और निराशा की सत्यता भी जुड़ी थी। इसी मुद्दे पर वित्त, खेल और आईओ मंत्रालय ने मिलकर एक खाका तैयार किया और प्रधानमंत्री मोदी से चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस विषय पर काम कर रहे युवा विशेषज्ञों के साथ व्यापक चर्चा की तब जाकर यह ऐतिहासिक कानून पारित हुआ है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को मिली जमानत, भ्रष्टाचार के आरोप में हुई थी गिरफ्तारी

(एजेन्सी)।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को मंगलवार को दस व्यक्तियों से जुड़ी एक निजी विदेश यात्रा के लिए सरकारी धन के कथित दुरुपयोग की चल रही जाँच में संदिग्ध के रूप में नामित किए जाने के बाद जमानत दे दी गई। श्रीलंकाई अखबार डेली मिरर के अनुसार, कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट निलुपुली लंकापुरा ने उन्हें 50 लाख श्रीलंकाई रुपये (प्रत्येक) की तीन जमानतों पर रिहा कर दिया, जिसकी अगली अदालती सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी। उन्हें 1.66 करोड़ श्रीलंकाई रुपये के सरकारी धन के दुरुपयोग के कथित आरोपों में गिरफ्तार किया गया था।

इससे पहले शुक्रवार को, न्यूजवायर लंका की रिपोर्ट के अनुसार, रानिल विक्रमसिंघे को सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। न्यूजवायर के अनुसार, उनकी गिरफ्तारी लंदन की एक निजी यात्रा के खर्चों को पूरा करने के लिए सरकारी धन का उपयोग करने के आरोपों से जुड़ी है, जहाँ उन्होंने एक विश्वविद्यालय के स्नातक समारोह में भाग लिया था। यह भी बताया गया कि जाँचकताओं का दावा है कि यह यात्रा, जो एक व्यापक विदेश दौरे का हिस्सा थी, कोई आधिकारिक कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि सरकारी धन से वित्तपोषित थी।

रिमांड के बाद, कथित स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्हें शुरू में जेल अस्पताल में रखा गया था, लेकिन बाद में आगे की चिकित्सा जांच के बाद उन्हें राष्ट्रीय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। इससे पहले सोमवार को, डेली मिरर ने बताया था कि पूर्व श्रीलंकाई राष्ट्रपति खराब स्वास्थ्य के कारण मंगलवार को अदालत में पेश नहीं हो पाएंगे। इसमें कहा गया था कि विक्रमसिंघे को मंगलवार को कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाना था। हालांकि, अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि उनकी मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति के कारण वे मंगलवार को अदालत में पेश नहीं हो पाएंगे। कोलंबो राष्ट्रीय अस्पताल (सीएनएच) के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से, डेली मिरर ने बताया कि पूर्व श्रीलंकाई राष्ट्रपति को अगले तीन दिनों तक दवा लेने और आराम करने की सलाह दी गई है। बताया गया था कि पिछले दिन उन्हें निर्जलीकरण की समस्या थी, जिससे उनकी हृदय गति बढ़ गई थी। चिकित्सा परीक्षणों में गुर्दे के मापदंडों में वृद्धि और सिरदर्द जैसे लक्षण भी पाए गए।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को भरोसा, रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में भारत देगा योगदान

(एजेन्सी)।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने देश के स्वतंत्रता दिवस पर बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मंगलवार को आभार व्यक्त किया और कहा कि कीव को रूस के साथ युद्ध समाप्त कराने संबंधी भारत के योगदान पर भरोसा है।

जेलेंस्की ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यूक्रेन शांति और संवाद के प्रति भारत के समर्पण की सराहना करता है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, अब, जब पूरी दुनिया इस भयानक युद्ध को गरिमामय तरीके से और स्थायी शांति के साथ समाप्त कराने का प्रयास कर रही है, हमें भारत के योगदान पर भरोसा है। उन्होंने कहा, कूटनीति को मजबूत करने वाला प्रत्येक निर्णय न केवल यूरोप में, बल्कि हिंद-प्रशांत और उससे परे भी बेहतर सुरक्षा की ओर ले जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने 16 अगस्त को यूक्रेन के लोगों के लिए शांति और प्रगति से भरे भविष्य की कामना की तथा स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाओं के लिए जेलेंस्की को धन्यवाद दिया था। इससे पहले जेलेंस्की ने 15 अगस्त को भारत को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी थीं और कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को समाप्त कराने के प्रयासों में भारत योगदान देगा। अपने संदेश के साथ, जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उन्हें संबोधित पत्र भी साझा किया। पत्र में, प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के लोगों को शुभकामनाएँ दीं और पिछले साल कीव की अपनी यात्रा को याद किया।

उन्होंने लिखा "मैं इस अवसर पर आपको और यूक्रेन के लोगों को आपके स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुभकामनाएँ देता हूँ। मैं पिछले साल अगस्त में कीव की अपनी यात्रा को हार्दिक रूप से याद करता हूँ और तब से भारत-यूक्रेन द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति पर ध्यान देता हूँ।"

गोविंदा-सुनीता तलाक अफवाहों पर पहलाज निहलानी का दावा- वो कभी जुदा नहीं होंगे!

(एजेन्सी)।

गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की शादी को लेकर चर्चा फिर से शुरू हो गई है, लेकिन अभिनेता की टीम का कहना है कि इन नई अटकलों में कोई सच्चाई नहीं है। हाल ही में आई खबरों में दावा किया गया था कि सुनीता ने व्यभिचार, क्रूरता और परित्याग का हवाला देते हुए 5 दिसंबर, 2024 को बांद्रा फैमिली कोर्ट में आधिकारिक तौर पर तलाक के लिए अर्जी दी है। वरिष्ठ फिल्म निमार्ता और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के पूर्व प्रमुख पहलाज निहलानी ने गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की शादी को लेकर चल रही चचाओं पर अपनी राय रखी है। हाल ही में, एक रिपोर्ट में बताया गया था कि सुनीता ने तलाक के लिए अर्जी दी है। इन अफवाहों पर टिप्पणी करते हुए, निहलानी ने मतभेद की अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया और जोर देकर कहा कि उन्होंने इस जोड़े के बीच कभी ऐसा कुछ नहीं देखा जिससे अलगाव का संकेत मिले। इसके बजाय, उन्होंने उन्हें "दोस्त बताया जो एक साथ काम करते और रहते हैं।" पिंकविला के पॉडकास्ट पर बोलते हुए, निहलानी ने सुनीता की उस टिप्पणी का समर्थन किया जिसमें उन्होंने अपने आस-पास के लोगों द्वारा प्रतिबंधित महसूस करने की बात कही थी। उन्होंने कहा, "वो जो बोली हैं, वो गलत नहीं बोलीं। वो तो सही हैं। क्योंकि पंडितों ने जो बेड़ा खड़ा कर दिया है।"

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी गोविंदा को फोन करके चीजें ठीक करने का मन हुआ, तो निहलानी ने कहा नहीं, जीवन में किसी को सलाह देना बहुत गलत है।" आगे समझाते हुए उन्होंने कहा, "सलाह देना मतलब अपने आप को नीचे गिराने वाली बात है। कि खुद पागल बन जाओ। सच्चाई बोलना और सच्चाई सुनना बहुत बुरा है।" व्यक्तिगत और व्यावसायिक रूप से गोविंदा की प्रशंसा करते हुए, निहलानी ने कहा, "तो मैं तो बहुत सी चीज हूं, गोविंदा की आज तक एक अभिनेता के रूप में एक व्यक्ति के रूप में मतलब है कि कभी बुराई कभी नई करुगा। उसके काम को लेके, उसके आसपास को लेके में बात करता हूं।" उन्होंने यह भी बताया कि बाहरी प्रभाव इस स्टार को कैसे प्रभावित करते हैं। उसकी सोच ना कभी कभी गड़बड़ होती है, क्योंकि लोगों को सुन सुन कुछ खिलाते हैं और वो मान जाता है।

त्योहारों से पहले देशवासियों को मिलेगा तोहफा

(एजेन्सी)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद देश में त्योहारी मांग को बढ़ावा देने के लिए 22 सितंबर के आसपास नए जीएसटी दर स्लैब लागू कर सकती है। यह कार्यान्वयन नवरात्रि के त्योहारों के साथ होने की उम्मीद है। सरकारी सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। जीएसटी परिषद 3-4 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी में बैठक करेगी, जिसमें केंद्र के 5% और 18% की सरलीकृत दो-दर वाली जीएसटी संरचना के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, परिषद के निर्णय के पाँच से सात दिनों के भीतर नई दरों की अधिसूचना जारी होने की संभावना है।

दरों को युक्तिसंगत बनाने, क्षतिपूर्ति उपकर और स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा पर मंत्रियों के समूह (जीओएम) की इस सप्ताह की शुरूआत में बैठक हुई और सैद्धांतिक रूप से केंद्र की दो-स्तरीय जीएसटी योजना पर सहमति बनी। केंद्र द्वारा प्रस्तावित सुधारों के अनुसार, जीएसटी वर्तमान चार-स्तरीय 5%, 12%, 18% और 28% की दर से दो-दर प्रणाली में परिवर्तित हो जाएगा। वस्तुओं और सेवाओं को 'योग्यता' (5%) और 'मानक' (18%) श्रेणियों में वगीर्कृत किया जाएगा।

चुनिंदा विलासिता और हानिकारक वस्तुओं, जैसे अल्ट्रा-प्रीमियम कारों पर 40% की विशेष दर लागू होगी, जबकि कुछ श्रम-प्रधान वस्तुओं पर रोजगार-प्रधान क्षेत्रों को सहायता प्रदान करने के लिए 0.1%, 0.3% या 0.5% जैसी कम रियायती दरें जारी रहेंगी। स्वतंत्रता दिवस 2025 पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी सुधारों की घोषणा की थी और उन्हें 'जीएसटी 2.0' बताया था।

सिफत कौर सामरा, अंजुम मुद्गिल, आशी चौकसे की जोड़ी ने जीता गोल्ड मेडल

(एजेन्सी)। ओलंपियन सिफत कौर सामरा, अंजुम मुद्गिल और आशी चौके की तिकड़ी ने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में मंगलवार को महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस स्पर्धा में गोल्ड पदक जीता। वर्ल्ड रिकॉर्डधारी सामरा ने 589 स्कोर किया जबकि आशी का स्कोर 586 और अंजुम का 578 रहा। तीनों ने कुल 1753 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। जापान 1750 अंक लेकर दूसरे और साउथ कोरिया 1745 अंक के साथ तीसे स्थान पर रहा।

सामरा और आशी क्वालीफिकेशन में क्रमशः दूसरे और पांचवें स्थान पर रहकर व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में भी पहुंचे। भारत की श्रियांका साडंगी क्वालीफिकेशन में टॉप पर रही थी, लेकिन वह सिर्फ रैंकिंग अंकों के लिए खेल रही थी लिहाजा सामरा और आशी पहले और चौथे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे। दो बार की ओलंपियन अंजुम 41 निशानेबाजों में 22वें स्थान पर रही। सिफत कौर सामरा ने 2022 एशियाई खेलों में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। वह 2024 के पेयर्स ओलंपिक में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व भी कर चुकी हैं।

महिलाओं ने निर्जला उपवास रख श्रद्धा के साथ की तीज की पूजा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह जमुई। पति की लम्बी आयु के लिए पत्नी द्वारा की जाने वाला पर्व तीज महिलाओं द्वारा श्रद्धा के साथ हरितालिका तीज व्रत मनाया गया। सुबह से ही शिव मंदिरों में महिलाओं की भीड़ लगनी शुरू हो गई थी। यह व्रत महिलाओं द्वारा 24 घंटा का निर्जला उपवास रख कर पतियों के सुख सौभाग्य एवं निरोग के लिए शंकर एवं पार्वती की पूजा की जाती है। वही निर्जला उपवास रखे महिलाओं ने अपने-अपने घरों में पंडितों को बुलाकर कथा सुनी तथा तीज पर्व को मनाया। पर्व को लेकर जिले के विभिन्न प्रखंडों के मंदिरों व घरों में आदि कई जगहों पर महिलाओं की भीड़ देखी गई। वही तीज व्रत को लेकर मंगलवार को बाजारों में काफी चहल पहल देखी गई।

पंजाब पुलिस ने सोचे-समझे कत्ल की वारदात को किया नाकाम

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़/पठानकोट। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) पठानकोट ने घिनौने अपराधों में लिप्त एक संगठित आपराधिक गिरोह के दो नाबालिगों समेत चार सदस्यों को गिरफ्तार कर सोचे-समझे कत्ल की वारदात को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया है। यह जानकारी आज यहाँ पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विशाल मसीह उर्फ. दाना निवासी पखोके टाहली, बटाला और विशाल विलियम निवासी पखोके महिमरन, गुरदासपुर तथा दो नाबालिग, जिन्हें गाँव सलीमपुर अफगाना, गुरदासपुर से पकड़ा गया, के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से दो .30 बोर स्टार मार्क पिस्तौल और छह जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि शुरूआती जांच से सामने आया है कि आरोपी विदेश-आधारित गैंगस्टरों निशान सिंह, शमशेर सिंह उर्फ. शेरा मान उर्फ. हनी और सज्जन मसीह उर्फ. गोरू के इशारों पर काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि राज्यभर में अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुड़े अहम सुराग भी मिले हैं।

बीएलओ विभागीय कार्मियों व अधिकारियों के देखरेख में आम मतदाताओं को मतदान के प्रति किया जा रहा जागरूक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह गिद्धौर। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र में निष्पक्ष मतदान एवं मतदान की प्रक्रिया से आम मतदाताओं एवं ग्रामीणों को जागरूक कराने को लेकर क्षेत्र में ईवीएम एवेयरनेस कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, इसी कड़ी में सोमवार को प्रखंड के पतसंडा पंचायत एवं मौरा पंचायत के 242-झाझा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत गिद्धौर प्रखंड में पड़ने वाले मतदान केंद्रों पर इवीएम एवेयरनेस कार्यक्रम के तहत आम नागरिकों को जागरूक करने के लिए मतदान की प्रक्रिया का मॉक ड्रिल अभ्यास कराया गया। जिसमें पतसंडा पंचायत के कन्या मध्य विद्यालय गिद्धौर, पंचायत भवन पतसंडा, संस्कृत महाविद्यालय गिद्धौर, गिरिराज कुमारी कन्या उच्च विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय गिद्धौर मुसहरी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बंझुलिया, वहीं मौरा पंचायत में कन्या प्राथमिक विद्यालय मौरा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय अलखपुरा, पुस्तकालय भवन भलुआही, प्राथमिक विद्यालय भलुआही, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बंधौरा, मध्य विद्यालय मौरा में संबंधित बीएलओ कर्मियों एवं दंडाधिकारी के देखरेख में

जिले से आए इवीएम एवेयरनेस कार्यक्रम के तहत मोबाइल भेन के सहयोग से वीवीपीएट मशीन के जरिए चुनाव से जुड़े मतदान प्रक्रिया से आम नागरिकों एवं क्षेत्र के मतदाताओं को जानकारी दे उन्हें जागरूक किया गया। ताकि आगामी आसन्न विधानसभा चुनाव में निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से चुनाव को सम्पन्न कराया जा सके।

इधर गिद्धौर प्रखंड में दंडाधिकारी के रूप में बीपीआरओ अपराजिता सुमन के देखरेख में विभागीय कर्मियों द्वारा चुनाव से जुड़ा मॉक ड्रिल अभ्यास करा मतदान की प्रक्रिया से आमजनमानस को जागरूक कराया गया।

इस मौके पर पत संडा पंचायत में बीएलओ राजवंश केशरी, राजकिशोर साव, संजय कुमार, रंजीत शर्मा, सौरभ कुमार, प्रमोद रजक, जयकांत सिंह, रेयाज अहमद, दीपक कुमार, बटेश्वर राम, प्रदीप प्रभाकर वहीं मौरा पंचायत से जुड़े मतदान केंद्रों पर बीएलओ राजेश पांडे, विपिन कुमार यादव, योगेन्द्र यादव, फिरदौस अंसारी, सुरेंद्र पासवान, विक्रम कुमार, आलोक कुमार कार्यपालक सहायक आशीष कुमार साहू एवं दीपक कुमार सहित अन्य कर्मियों एवं अधिकारियों के मौजूदगी में ईवीएम एवेयरनेस कार्यक्रम को विधिवत सम्पन्न कराया गया।

बताते चलें कि क्षेत्र के अन्य पंचायत सेवा, कुंधुर, कोल्हुआ, गंगरा, पूर्वी गूगलडीह, रतनपुर आदि पंचायतों में भी बीएलओ कर्मियों एवं विभागीय कर्मियों पदाधिकारियों के देखरेख में मॉक ड्रिल अभ्यास करा मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े मतदान के तौर तरीके से उन्हें अवगत करा जागरूक किया जा रहा है।

खानपुर थानाध्यक्ष ने 79 लीटर विदेशी शराब के साथ एक शराब कारोबारी को किया गिरफ्तार

■ थानाध्यक्ष ने शराब कारोबारी को भेजा जेल

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर/खानपुर। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने पुलिस फोर्स के साथ गुप्त सूचना मिला कि थाना क्षेत्र के समस्तीपुर बहेरी मुख्य पथ के हासोपुर चौक स्थित ग्राम गिदरगंज गाँव के समीप एक युवक चार चक्का वाहन महिंद्रा जेयलो सफेद रंग की गाड़ी जिसका रजिष्टेशन न0 BR0-9H-0016 पर अधिक मात्रा में विदेशी शराब लेकर जाने की सूचना मिला।

सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने पुलिस फोर्स के साथ त्वरित कारवाई करते हुऐ थाना क्षेत्र के हासोपुर चौक स्थित ग्राम गिदरगंज के पास से चार चक्का वाहन महिंद्रा जेयलो गाड़ी को रोकने का इशारा किया गया तो पुलिस की गाड़ी देख कर शराब कारोबारी युवक ने शराब से भरा हुआ गाड़ी को लेकर भागने लगा। जिसे थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने फोर्स के सहयोग से खदेड़ने लगे। खदेड़ने के दौरान कुछ ही दूरी पर चार चक्का वाहन को शराब से

भरा हुआ गाड़ी के साथ एक शराब कारोबारी को थानाध्यक्ष श्री चौधरी ने पकड़ लिया।

वही बरामद चार चक्का वाहन की तलासी किया गया तो महिंद्रा जेयलो चार चक्का वाहन में 79 लीटर विदेशी शराब रखे हुये था। तथा बरामद शराब की जप्ती सूची बना कर बरामद शराब के साथ मौके पर गिरफ्तार शराब कारोबारी युवक को थाना लाया गया। वही बताते चले कि 79 लीटर विदेशी शराब बरामद व मौके पर एक शराब कारोबारी युवक को गिरफ्तार करने में थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी को बड़ी सफलता मिली है। वही विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार एक युवक के बारे में पूछने पर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस फोर्स के साथ त्वरित कारवाई करते हुऐ (1) रामकुमार दास पिता स्वर्गीय रामेश्वर दास ग्राम-खेरबन थाना दलसिंगसराय जिला समस्तीपुर के द्वारा अवैध रूप से खानपुर थाना क्षेत्र में पहुचाकर विदेशी शराब की बिक्री धड़ल्ले से किये जाने का खुपिया तंत्र के माध्यम से सूचना मिला।

सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए हासोपुर चौक स्थित ग्राम गिदरगंज के समीप से खदेड़ कर चार चक्का वाहन पर लदा 79 लीटर विदेशी शराब के साथ एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार करने में सफलता मिला है। वही गिरफ्तार शराब कारोबारी (1) रामकुमार दास पिता स्वर्गीय रामेश्वर दास ग्राम खेरबन थाना दलसिंग जिला समस्तीपुर के विरूद्ध उत्पाद व मद्य निषेद्य अधिनियम के तहत कांड संख्या-207/2025/ धारा-30(a)/47 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार शराब कारोबारी रामकुमार दास को पुलिस पदाधिकारी व उचित मार्गरक्षी दल के साथ सरकारी वाहन से माननीय न्यायालय समस्तीपुर में उपस्थापन हेतु भेज दिया गया है।

गिद्धौर में पार्किंग और ऑटो स्टैंड के अभाव से एनएच 333 पर रोजाना लग रहा जाम

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह जमुई/गिद्धौर। गिद्धौर बाजार क्षेत्र में पार्किंग और ऑटो स्टैंड की उचित व्यवस्था नहीं रहने से लोगों को प्रतिदिन जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। झाझा-जमुई को जोड़ने वाली एनएच-333 के किनारे अनधिकृत रूप से ऑटो, टोटो, ठेला और बाइक खड़े कर दिए जाने से सड़क संकरी हो जाती है। फलस्वरूप यातायात अवरुद्ध हो जाता है और राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चालक अक्सर सड़क किनारे ही गाड़ियां खड़ी कर देते हैं। बाजार में कई दुकानदार दुकान के बाहर सड़क पर सामान, चौकी और बेंच रखकर अतिक्रमण कर लेते हैं। इससे पैदल चलने वालों को सड़क के बीच से गुजरना पड़ता है और वाहनों की रफ्तार थम जाती है। एनएच-333 बिहार

को झारखंड, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। इस सड़क पर रोजाना बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है। लेकिन सड़क किनारे की गई पार्किंग से इसकी चौड़ाई घट गई है। परिणामस्वरूप सुबह-शाम ऑफिस और स्कूल के समय में लंबा जाम लग जाता है। गिद्धौर में अधिकृत ऑटो स्टैंड नहीं होने से ऑटो चालक सड़क किनारे ही खड़े होकर यात्रियों का इंतजार करते हैं। इससे सड़क पर मिनी-स्टैंड की स्थिति बन जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के दिनों में जलजमाव के कारण हालात और बिगड़ जाते हैं। लोगों की मांग है कि बाजार क्षेत्र में चिह्नित पार्किंग स्थल बनाए जाएं, अधिकृत ऑटो स्टैंड की व्यवस्था हो और दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया जाए। साथ ही प्रशासन द्वारा नियमित जांच और सख्त कार्रवाई की जरूरत है। राहगीरों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने ठोस कदम नहीं उठाया तो आने वाले दिनों में जाम की समस्या और विकराल रूप धारण कर लेगी।

खानपुर थानाध्यक्ष ने फरार चल रहे एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

■ थानाध्यक्ष ने गिरफ्तार दोनों अभियुक्त को भेजा जेल

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर/खानपुर। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने बीती रात पुलिस फोर्स के साथ गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के हरिपुर घाट गाँव में छापामारी कर समस्तीपुर न्यायालय से निर्गत-NBW वारंट जिसका TR-नं. 164/2025 में फरार चल रहे अभियुक्त (1) मनोज महतो पिता सुरेश महतो ग्राम हरिपुर घाट-थाना खानपुर जिला समस्तीपुर को छापामारी के क्रम में घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया।

वही गिरफ्तार अभियुक्त के बारे में पूछने पर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त मनोज महतो पिता सुरेश महतो ग्राम-हरिपुर घाट-थाना खानपुर के विरूद्ध समस्तीपुर न्यायालय से निर्गत NBW वारंट में फरार चल रहा था। जिसे गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस फोर्स के सहयोग से बीती घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया। तथा गिरफ्तारी कागजात

तैयार कर थाना के पुलिस पदाधिकारी व चौकीदार के साथ उचित अभिरक्षा में सरकारी वाहन से माननीय न्यायालय समस्तीपुर में उपस्थापन हेतु भेजा गया है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सभी अधिकारियों/कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करने के निर्देश

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़/पठानकोट/गुरदासपुर। पंजाब सरकार ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों को युद्ध स्तर पर जारी रखने के लिए स्थानीय प्रशासन तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों को 24x7 जमीनी स्तर पर डटे रहने के आदेश जारी किए हैं। साथ ही सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई हैं। यह जानकारी पंजाब के जल संसाधन मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री लाल चंद कटरूचक ने आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के दौरान दी। दोनों मंत्रियों ने आज पठानकोट और गुरदासपुर ज़िलों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। गौरतलब है कि पिछले दो-तीन दिनों से जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण भर चुके रणजीत सागर डैम से पानी छोड़े जाने से रावी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इसके अलावा उज्ज और जलालिया दरियाओं का पानी भी उफान पर है, जिससे नरोट जैमल सिंह और बमियाल ब्लॉक के ज्यादातर गाँव पानी की चपेट में आ गए हैं। कैबिनेट मंत्रियों ने आज इन क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। श्री गोयल ने बताया कि भारी बारिश के कारण डैमों में पानी का स्तर तेजी से बढ़ा है। रणजीत सागर डैम में इस समय 527 मीटर से अधिक पानी है। आज लगभग एक लाख दस हजार क्यूसेक पानी डैम से छोड़ा गया, जिससे गाँव माखनपुर, पोला, तास और बहादरपुर आदि क्षेत्रों में रावी नदी का तेज बहाव किनारों तक पहुँच गया है। उन्होंने बताया कि पठानकोट के गाँव तास में एक परिवार के सात सदस्य पानी में फँसे हुए हैं, जिनके बचाव के लिए युद्ध स्तर पर कार्यवाही जारी है। ज़िले के गाँव तारागढ़ और नरोट जैमल सिंह के स्कूलों में लंगर की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा कीड़ी खुर्द, कथलौर, तारागढ़, नरोट जैमल सिंह, खड़कड़ा ठूठोवाल, खोजकी चक्क, बमियाल, नंगल, पठानकोट, बनी लोधी और फिरोजपुर कलां में बचाव केंद्र स्थापित किए गए हैं।

हरियाणा में अपराधियों की हैसियत नहीं, केवल कानून की चलेगी हुकूमतः मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। इस नीति की घोषणा उन्होंने 18 अक्टूबर, 2024 को प्रथम मंत्रिमंडल बैठक के बाद ही कर दी थी। उस समय मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी थी कि अपराधी या तो अपने रास्ते बदल लें अन्यथा सरकार उन्हें सुधारने के लिए बाध्य करेगी। किसी भी व्यक्ति की सामाजिक हैसियत या प्रभावशाली पद के बावजूद, यदि वह कानून तोड़ेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। हरियाणा में कानून की सर्वोच्चता स्थापित होगी, अपराधी की हैसियत नहीं। मुख्यमंत्री विधानसभा में विपक्ष द्वारा प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर लाए गए स्थगन प्रस्ताव पर वक्तव्य दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि उनकी स्पष्ट चेतावनी का ही परिणाम है कि आज हरियाणा में प्रमुख अपराधों की संख्या और दर दोनों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। वर्ष 2014 से पूर्व की स्थिति के विपरीत आज न तो नागरिक को एफआईआर दर्ज करवाने में कोई बाधा आती है और न ही पुलिसकर्मी को अपराधियों पर कार्रवाई करने से भयभीत होना पड़ता है। अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई के कारण आज प्रदेश की जनता का हरियाणा पुलिस पर भरोसा और अधिक मजबूत हुआ है।

विपक्ष पर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की तख्तियां लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल (2004-2014) में बलात्कार की घटनाएं तीन गुना बढ़ीं। वर्ष 2004 में ऐसे 386 मामले दर्ज हुए थे, जो 2014 में बढ़कर 1174 तक पहुँच गए। उन्होंने विपक्ष को असंवेदनशील सरकार बताते हुए कहा कि दस वर्षों के शासनकाल में कांग्रेस ने मात्र एक ही महिला थाना, खानपुर कलां में खोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान हरियाणा सरकार महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस दिशा में, राज्य भर में 33 महिला पुलिस थाने स्थापित किए गए हैं। समर्पित महिला हेल्पलाइन 1091 को डायल-112 के साथ एकीकृत किया गया है। 2018 में 'दुर्गा शक्ति' ऐप लॉन्च किया गया था, जो सुरक्षा अलर्ट के माध्यम से महिलाओं को तुरंत पुलिस सहायता प्रदान करता है। 'दुर्गा शक्ति रैपिड एक्शन फोर्स'

का गठन कर प्रमुख स्थानों पर तैनात किया गया है। डीएसआरएएफ के 46 वाहनों को डायल 112 के साथ एकीकृत किया गया है। इसके अतिरिक्त, रोहतक के सुनारिया में एक महिला पुलिस 'दुर्गा बटालियन' स्थापित की गई है, जिसमें कुल 540 महिला पुलिसकर्मी तैनात हैं। इन प्रयासों के चलते महिलाओं में सुरक्षा की भावना और प्रबल हुई है।

कांग्रेस शासन के दौरान घटित एक मामले का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि 10 अप्रैल, 2008 को रोहतक थाना परिसर में ही 5 पुलिसकर्मियों ने एक महिला के साथ बलात्कार किया। पीड़िता 40 दिनों तक न्याय और कार्रवाई के लिए दफ्तरों और अधिकारियों के चक्कर काटती रही, लेकिन न तो पुलिस ने उसकी सुनी और न ही उस समय के किसी विधायक, सांसद या मंत्री ने मदद की। अंततः जब मामला लगातार मीडिया की सुर्खियाँ बना तो 31 मई, 2008 को एफआईआर दर्ज हुई। इसके बाद भी पीड़िता को इतनी प्रताड़ना झेलनी पड़ी कि 9 जून, 2008 को उसने पंचकूला में पुलिस मुख्यालय के बाहर जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मामले में हड़कंप मचने पर कांग्रेस सरकार ने 16 जून, 2008 को केस सीबीआई को सौंपा। पाँच वर्ष बाद 20 जुलाई, 2013 को सीबीआई अदालत ने एक सब इंस्पेक्टर और एक हेड कांस्टेबल को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। इसके विपरीत, मौजूदा सरकार की त्वरित कार्रवाई का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 सितंबर, 2024 को जिला यमुनानगर में एक नाबालिग के साथ बलात्कार कर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और मात्र 8 माह में, 15 मई 2025 को, अदालत से उसे फांसी की सजा सुनाई । मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री की दूरदर्शी सोच से ही अंग्रेजों के बनाए पुराने कानूनों को हटाकर नए आपराधिक कानून लागू किए गए, जिनकी वजह से यह संभव हुआ। उन्होंने विपक्ष को चुनौती दी कि 2004 से 2014 तक के अपने शासनकाल में यदि किसी बलात्कारी को उन्होंने फांसी की सजा दिलवाई हो तो उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने बताया कि मौजूदा कार्यकाल में अनेक मामलों में 7-8 महीनों के भीतर ही दोषियों को 20-20 वर्ष की सजा, आजीवन कारावास अथवा फांसी की सजा सुनाई गई है। इससे स्पष्ट है कि डबल इंजन सरकार ने अपराधियों पर प्रभावी नकेल कसी है।

इनेलो के एक पूर्व विधायक पर मई 2011 में रोहतक जिले के कलानौर अनाज मंडी में गोलीबारी कर हत्या का आरोप लगा था। घटना के बाद आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने पैतृक गांव मोखरा को समर्थकों की मदद से किले में बदल दिया। हथियारबंद समर्थकों की घेराबंदी के कारण पुलिस भीतर नहीं जा पाई। अंततः आरोपी ने जुलूस निकालकर आईजीपी कार्यालय पहुँचकर आत्मसमर्पण किया। 2013 में हाईकोर्ट से मिली जमानत को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया और मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी। रोहतक के बहुचर्चित अपना घर कांड का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मई 2012 में यह जघन्य अपराध हुआ, जिसमें अनाथालय की बच्चियों पर अमानवीय अत्याचार किए जाते थे। 8 मई, 2012 को राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग की टीम ने छापा मारकर लगभग 120 बच्चियों को मुक्त कराया। जून 2012 में यह केस सीबीआई को सौंपा गया। अप्रैल 2018 में सीबीआई की विशेष अदालत ने मुख्य संचालिका जसवंती देवी और उसके दामाद जयभगवान सहित 9 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए कठोर सजाएं सुनाईं।

कांग्रेस कार्यकाल की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 13 जून, 2008 को एक प्रमुख हिंदी अखबार ने लंबी है हरियाणा पुलिस के कारनामों की फेहरिस्त शीर्षक से रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें 1996 से 2008 तक पुलिस अधिकारियों के दुराचार, रिश्वतखोरी और अपराधों का विवरण था। उन्होंने इस उदाहरण से विपक्ष को कठघरे में खड़ा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के प्रत्येक नागरिक और उसकी संपत्ति की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च जिम्मेदारी है, जिसे निभाने में वे कभी पीछे नहीं हटे हैं और न कभी हटेंगे।

मुख्यमंत्री ने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्ष 2014 में पूरे प्रदेश में 1106 हत्या के मामले दर्ज हुए थे जबकि 2024 में 965 हत्या के मामले दर्ज हुए। 2014 की तुलना में 2024 में हत्या की वारदातों में 12 प्रतिशत की कमी आई है। इस हिसाब से कांग्रेस कार्यकाल में रोज 4 हत्याएं होती थी। उन्होंने सदन को बताया कि 1 जनवरी 2024 से अब तक हरियाणा पुलिस ने 110 मुठभेड़ों में 13 कुख्यात अपराधियों को ढेर किया और 157 को घायल किया है। लगभग 75% साइबर अपराध प्रदेश से बाहर से संचालित होते हैं, लेकिन कठोर कार्रवाई के कारण अनेक गैंगस्टर विदेशों में जाकर छिपने को विवश हुए हैं। 13 जुलाई, 2024 से अब तक 5 कुख्यात गैंगस्टरों को विदेश से गिरफ्तार कर लाया गया है, जबकि पिछले 5 वर्षों में 9 गैंगस्टर विदेश से पकड़े गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए सभी को सामूहिक प्रयास करना चाहिए। उन्होंने चिंता जताई कि सोशल मीडिया के कुछ वर्ग अपराधियों और गैंगस्टरों का महिमामंडन करते हैं, जिससे युवाओं में उनकी छवि नायक जैसी बनती है। यह प्रवृत्ति न केवल समाज की सांस्कृतिक और नैतिक नींव को कमजोर करती है बल्कि पुलिस बल की मेहनत को भी आघात पहुँचाती है।

अपराध निरोधक कमेटी के लोगों ने एसएसपी को भेंट की पत्रिका 'सेवा पथ'

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन बदायूं। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संरक्षित एवं जेल मेनुअल के अंतर्गत संचालित उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति लखनऊ के यशस्वी चेयरमैन माननीय कमलेश श्रीवास्तव जी के मार्ग दर्शन में जिला अपराध निरोधक कमेटी बदायूं के जिला सचिव मुहम्मद शमसुद्दीन शम्स के नेतृत्व में अन्य पदाधिकारियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ ब्रजेश कुमार सिंह आईपीएस से शिष्टाचार भेंट की, जहां आपसी परिचय के बाद एसएसपी को समिति द्वारा प्रकाशित पत्रिका "सेवा पथ" भेंट की गई। इस अवसर पर समिति के ज़िला सचिव/पदेन जेलवीक्षक मुहम्मद शमसुद्दीन शम्स द्वारा बताया गया कि उनके स्वयंसेवक जन सेवा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन को हर संभव सहयोग प्रदान करते आए हैं।

उक्त भेंट में समिति के कार्यों, उद्देश्यों एवं समाज में अपराध निरोधक गतिविधियों को लेकर चर्चा की गई। एसएसपी डॉ ब्रजेश कुमार सिंह ने समिति के सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए भविष्य में भी परस्पर समन्वय एवं सहयोग बनाए रखने का आश्वासन दिया। यह संवाद पुलिस-जन सहभागिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण रहा, जो सामाजिक सौहार्द व कानून व्यवस्था की दृष्टि से अत्यंत सराहनीय है।

इस अवसर पर ज़िला सचिव/पदेन जेलवीक्षक मुहम्मद शमसुद्दीन शम्स, सह सचिव डॉ नेत्रपाल सिंह शैलानी एवं मीडिया प्रभारी इंतजार हुसैन, उपाध्यक्ष खिजर अहमद, उप सचिव सी पी सिंह, संगठन सचिव डॉ संजीव शाक्य, मुन्ने खां आदि मौजूद रहे।

हरियाणा सरकार के निर्देश अनुसार नगर पालिका राजौंद में 11 सप्ताह तक चलेगा विशेष सफाई अभियान

24 अगस्त से 7 नवंबर तक हर गली-मोहल्ला होगा स्वच्छ

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। नगर पालिका राजौंद में सचिव नरेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में नगरपालिका के सभी कर्मचारियों की मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में उन्होंने जानकारी दी कि हरियाणा सरकार के निर्देश पर राजौंद नगर में 11 सप्ताह तक विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान 24 अगस्त 2025 से 7 नवंबर 2025 तक चलेगा।

सचिव नरेंद्र शर्मा ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य नगर की हर गली, मोहल्ले और घर को पूरी तरह साफ और स्वच्छ बनाना है। उन्होंने बताया कि इस कार्य को सफल बनाने के लिए नागरिकों सहित नगर के सभी सरकारी विभागों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। नगर को स्वच्छ बनाने के लिए नागरिकों से सहयोग की अपील की गई है। उन्होंने नगरवासियों से आह्वान किया कि नगरपालिका की इस सफाई मुहिम में बढ़-चढ़कर सहयोग करें। अभियान के दौरान पार्षदों, स्वयंसेवी संस्थाओं (एनजीओ), समर्पित व कर्मठ नागरिकों, व्यापारिक एवं धार्मिक संगठनों के साथ विचार-विमर्श कर नगर के हर क्षेत्र में सफाई की जाएगी। मंगलवार को नपा राजौंद परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

सचिव ने कहा कि स्वच्छता केवल नगरपालिका का ही नहीं बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर, गली और आस-पड़ोस की सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी नागरिकों की सहभागिता से राजौंद नगर को एक आदर्श और स्वच्छ नगर बनाया जा सकेगा। सचिव नगरपालिका राजौंद नरेंद्र शर्मा ने बताया कि सफाई अभियान की टैग लाईन हर मोहल्ला, हर गली, हर मकान, स्वच्छ हरियाणा की पहचान है। इस अभियान के तहत जिला में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएगी, जिसमें जागरूकता कार्यक्रम, कूड़ा-कचरा प्रबंधन, खाली पड़े प्लाटों से कूड़े का उठान, ग्रीन एंड क्लीन हरियाणा, जल संसाधन की साफ-सफाई, सफाई मित्र सम्मान अभियान, क्लीन स्ट्रीट एंड हैल्दी ईटस, बेसहारा पशुओं के शिफ्टिंग का कार्य, जन भागीदारी कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता उत्सव अभियान आदि शामिल हैं। नपा के सभी कर्मचारियों को सफाई के क्षेत्र में सहयोग कर नपा राजौंद को नंबर-1 बनाना है।

सचिव ने हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को लेकर सफाई अधिकारियों, सफाई कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत आमजन के सहयोग से सफाई कार्य में तेजी लाई जाएगी। नागरिकों व सामाजिक संगठनों को सफाई अभियान के बारे में अवगत करवाया जाएगा। नपा सचिव स्वयं फील्ड का दौरा करेंगे। प्रतिदिन सफाई कार्य का निरीक्षण करेंगे। जांच की जाएगी कि हर मोहल्ला, हर गली, हर मकान स्वच्छ है या नहीं। राजौंद नपा क्षेत्र के सरकारी भवनों में साफ-सफाई करवाई जाएगी। ग्रीन एवं क्लीन हरियाणा के तहत कालोनी, मार्किट, स्कूल व पार्कों में पौधा रोपण करवाया जाएगा। नगर में डस्टबिन की व्यवस्था, शौचालय की साफ-सफाई तथा पौधे लगाए जाएंगे। नगर के तालाबों की सफाई करवाई जाएगी। नागरिकों को समझाया जाएगा कि जोहड़, तालाब में सॉलिड वेस्ट न डाले।

सचिव ने कहा कि सफाई मित्र सम्मान अभियान के तहत सफाई कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ उन्हें सफाई किट उपलब्ध करवाई जाए। अच्छा कार्य करने वाले सफाई मित्रों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्लीन स्ट्रीट-हैल्दी ईटस के तहत मार्केट में साफ-सफाई के साथ-साथ डस्टबिन आदि की व्यवस्था करवाई जाएगी। इसके साथ ही प्लास्टिक पोलिथीन पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा कि बेसहारा पशुओं को गौशाला में छोड़ते हुए उनकी टैगिंग की जाएगी। इसके साथ ही सभी सुलभ शौचालयों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाएगी। सड़कों व तालाबों पर हुए अतिक्रमण को हटाया जाएगा। इस अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके सफाई के प्रति जन जागरूकता लाई जाएगी। स्वच्छतम व अन्य एप्स पर आने वाली शिकायतों का तुरंत प्रभाव से समाधान किया जाएगा।

इस मौके पर जेई अश्विनी कुमार, सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार, सफाई कोर्डिनेटर प्रदीप कुमार, संजीव कुमार सहित अन्य कर्मचारीमौजूद रहे।

विधायक सतपाल जांबा ने विधानसभा में उठाई पूंडरी को उपमंडल का दर्जा देने की मांग

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। विधायक सतपाल जांबा ने हरियाणा विधानसभा के मॉनसून सत्र के दौरान पूंडरी को उपमंडल का दर्जा देने की मांग को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और आमजन की सुविधा के लिए यह कदम उठाना समय की मांग है।

उन्होंने कहा कि पूंडरी के लोगों को राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यो के लिए कैथल जाना पड़ता है। जिससे उनका समय और पैसा ज्यादा लगाता है। अगर पूंडरी को उपमंडल का दर्जा मिल जाए तो हलके करीब 54 गांव के लोगों को फायदा होगा। हलके के विकास कार्यो को गति मिलेगी और लोगों को प्रशासनिक सुविधाएं नजदीक ही उपलब्ध हो सकेंगी।

इसके अलावा विधायक सतपाल जांबा ने गांवों में निकासी की समस्या को दूर करने के लेकर फिरनी पर बने खुले नालों को अंडरग्राउंड करने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि पांच हजार की आबादी वाले गांवों की फिरनी के नालों को अंडरग्राउंड किया जाए, क्योंकि जो हम विकसित भारत का सपना देख रहे हैं, वो तभी संभव होगा जब हमारे गांव विकसित होंगे। नालों को फाइव पोंड से जोड़ा जाए। इससे बरसात के मौसम में पानी इकट्ठा होने की समस्या दूर होगी तथा गांव की स्वच्छता और सुंदरता बनी रहेगी।

इसी प्रकार उन्होंने तकसीम की प्रक्रिया में होने वाली देरी का मुद्दा भी उठाया और सरकार से आग्रह किया कि इसकी अधिकतम समय-सीमा 6 महीने तय की जाए। इससे गांवों में अनावश्यक विवाद कम होंगे और लोगों को समय पर न्याय मिल सकेगा।

अभय सिंह चौटाला ने दिया 25 सितंबर की सम्मान दिवस रैली का निमंत्रण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला असंध पहुंचे और हल्का स्तरीय कार्यकर्ता बैठक में 25 सितंबर को ताऊ देवीलाल के जन्मदिवस पर रोहतक में होने वाली सम्मान दिवस रैली का निमंत्रण दिया। अभय सिंह चौटाला का असंध पहुंचने पर इनेलो के राष्ट्रीय सचिव धर्मवीर पाढ़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष यशबीर राणा, किसान प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष फूल सिंह मंजूरा, हल्का प्रधान मेहर सिंह जुण्डला व किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष नरेश रंगरुटीखेड़ा ने फुल मालाओं, पगड़ी पहनाकर व हल भेंट कर स्वागत किया।

अभय सिंह चौटाला ने कहा कि प्रदेश के सभी हलकों में कार्यकर्ताओं की मीटिंग लेकर उन्हें रैली में पहुंचने का न्यौता दे रहे है। जहां कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ भारी संख्या में रैली में पहुंचने का आश्वासन दे रहे है। सम्मान दिवस रैली अब तक की सबसे बड़ी रैली होगी जिसमें लाखों की संख्या में लोग भाग लेगें। उन्होंने कहा कि ताऊ देवीलाल की नीतियों पर चलते हुए इनेलो ने हमेशा किसान, मजदूर व आम वर्ग की आवाज को उठाया है। उन्होंने कहा कि रोहतक में 25 सितंबर को ऐतिहासिक रैली होगी और कार्यकर्ताओं में उत्साह है। इनेलो प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने कहा कि ताऊ देवीलाल की नीतियों को आज पूरा हरियाणा याद कर रहा है। उन्होंने लोगों से रोहतक में होने वाली सम्मान दिवस रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुरजीत शामगढ़, पूर्व विधायक रेखा राणा, सुरजीत संधू, अनिल मान असंध, सुरेश बेनीवाल, महेंद्र मानपुरा, शमशेर सिंधड, प्रेम मलिक सहित अन्य मौजूद रहे।

विधायक जगमोहन आनंद ने विधानसभा में उठाई करनाल की स्वास्थ्य, रोजगार और विकास से जुड़ी मांगें

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। करनाल विधानसभा क्षेत्र के विधायक जगमोहन आनंद ने हरियाणा विधानसभा के मॉनसून सत्र के दौरान अपने क्षेत्र की जनता से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को मजबूती से उठाया। उन्होंने कहा कि करनाल का विकास तभी संभव है जब स्वास्थ्य, रोजगार और शहरी ढांचे में व्यापक सुधार किए जाएं। इसी कड़ी में उन्होंने सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की ताकि करनाल का सुनियोजित विकास सुनिश्चित हो सके।

विधायक ने सबसे पहले स्वास्थ्य सेवाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में अभी भी कई महत्वपूर्ण सुविधाओं का अभाव है। यहां हृदय और न्यूरो विशेषज्ञों की कमी है, साथ ही आधुनिक पैथोलॉजी लैब की भी सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि अक्सर मरीजों को इलाज के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है, जो बेहद चिंता का विषय है। विधायक ने यह भी कहा कि कॉलेज में स्वीकृत पदों की संख्या केवल 950 है, जबकि अन्य मेडिकल कॉलेजों में यह संख्या 1527 है। उन्होंने पदों की संख्या बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि इससे न केवल मरीजों को राहत मिलेगी बल्कि स्वास्थ्य सेवाएं और सुदृढ़ होंगी।

रोजगार से जुड़े मुद्दे पर बोलते हुए विधायक ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया कि कौशल रोजगार निगम के उन कर्मचारियों को सर्विस सुरक्षा दी गई है, जिन्होंने 15 अगस्त 2024 तक पांच साल पूरे कर लिए हैं। हालांकि, उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि 15 अगस्त 2025 तक सेवा में पांच साल पूरे कर चुके कर्मचारियों को भी इस दायरे में लाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवा सरकार से बड़ी उम्मीदें लगाए बैठे हैं, ऐसे में उन्हें स्थायी रोजगार और सुरक्षा देना बेहद आवश्यक है।

शहरी विकास के संदर्भ में उन्होंने करनाल के मास्टर प्लान को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अभी तक नया मास्टर प्लान फाइनल नहीं हुआ है, जिसके चलते अवैध कॉलोनियों और अनियोजित विकास की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने मांग की कि इस मास्टर प्लान को जल्द से जल्द लागू किया जाए ताकि शहर का विकास व्यवस्थित रूप से हो सके। साथ ही उन्होंने करनाल से गुजरने वाले नेशनल हाईवे के किनारे स्थित कर्ण लेक का सौंदर्यीकरण और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजना बनाने का भी आग्रह किया। विधायक ने स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक और मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि सेक्टर-32 में जिला नागरिक अस्पताल की नई 200 बेड की बिल्डिंग प्रस्तावित है, लेकिन हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने अब तक जमीन हस्तांतरित नहीं की है। उन्होंने इस जमीन का हस्तांतरण जल्द करवाने की मांग की ताकि निर्माण कार्य शीघ्र शुरू हो सके। इसके अलावा उन्होंने कहा कि सेक्टर-32 और 33 से एचएसवीपी की हाई वोल्टेज तारें गुजर रही हैं, जिनके कारण नीचे की जमीन खाली पड़ी है। उन्होंने मांग की कि इन तारों को हटवाकर खाली पड़ी जमीन का सदुपयोग किया जाए।

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि करनाल हरियाणा के प्रमुख शहरों में से एक है और यहां की जनता सरकार से बेहतर सुविधाओं की उम्मीद रखती है। उन्होंने विधानसभा में जोर देकर कहा कि करनाल के विकास से जुड़े इन सभी मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए, ताकि शहर के लोग स्वास्थ्य, रोजगार और सुविधाओं से भरपूर जीवन जी सकें।

एसडीएम राहुल ने स्वच्छता अभियान-2025 को लेकर अधिकारियों की ली बैठक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। एसडीएम राहुल (आईएएस) ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान-2025 चलाया जा रहा है। यह अभियान हर मोहल्ला, हर गली, हर मकान-स्वच्छ हरियाणा की पहचान, थीम के साथ 24 अगस्त से 7 नवम्बर तक चलेगा। अभियान के तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाया जाएगा, जिसके लिए सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें। इसके साथ ही अभियान में जनभागीदारी के लिए ज्यादा से ज्यादा आमजन तथा ग्राम पंचायतों को जोड़ा जाए।

एसडीएम मंगलवार को अपने कार्यालय में हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 के सफल आयोजन को लेकर अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के तहत प्रत्येक सरकारी विभाग के कार्यालय/परिसर, स्कूलों, शिक्षण संस्थानों, सरकारी अस्पतालों, बैंकों तथा निजी कार्यालयों में सफाई करवाई जाए और अपने-अपने कार्यालय को साफ-सुथरा व सौंदर्यीकरण करें। इसके अतिरिक्त शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में सडकों के किनारे पड़े कूड़े-कर्कट को उठाने के लिए विशेष सफाई अभियान चलाया जाए।

उन्होंने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष अपने कार्यालय को जीरो वेस्ट कार्यालय बनाकर इसकी घोषणा करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने-अपने कार्यालय में साफ-सफाई के बाद कूड़ा-करकट को एक स्थान पर इकठ्ठा करवाएं। उसके उपरांत नगर पालिका द्वारा इस कूड़े को उठाने का कार्य करवाया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अपने कार्यालयों में निर्धारित डस्टबिन का उपयोग अवश्य करें। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत 11 सप्ताह में 11 अलग-अलग थीम व प्रमुख गतिविधियां निर्धारित की गई हैं, जिन पर कार्य किए जाने हैं। उन्होंने कहा कि सभी उपमंडल अधिकारी गुरुवार तक अपने कार्यालय को जीरो वेस्ट डिक्लरेशन एसडीएम कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें और इसके बाद सभी कार्यालयों का निरीक्षण किया जाएगा। सफाई व्यवस्था दुरुस्त न होने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्यालय के सौंदर्यीकरण के लिए आवश्यकतानुसार रंग-रोगन व मरम्मत इत्यादि का कार्य करवाया जाए। उन्होंने नगर पालिका के अधिकारियों को निर्देश दिए कि हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 के तहत शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया जाए और नियमों की अवहेलना पर निरंतर चालान काटना सुनिश्चित करें।

एसडीएम ने बीडीपीओ प्रशांत कुमार को निर्देश दिए कि हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 के तहत उपमंडल की सभी ग्राम पंचायतों को जोडना सुनिश्चित किया जाए। गांवों में रोस्टर बनाकर सफाई अभियान चलाए जाएं। इसके तहत गांवों की सडकों, गलियों व तालाबों की सम्पूर्ण सफाई करवाना सुनिश्चित करें और समय-समय पर गांवों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करें। उन्होंने यह भी कहा कि सफाई कर्मियों को ग्लव्स व अन्य उपकरण भी उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें।

इस मौके पर तहसीलदार नवजोत कौर, नायब तहसीलदार राधेश्याम, नगर पालिका सचिव प्रदीप जैन, बीडीपीओ प्रशांत कुमार, एसडीओ बिजली बोर्ड सुभाष पान्नू, एडीओ डॉ० श्याम सिंह, सुरेन्द्र कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएमसी ने किया शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा, सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

सफाई कर्मचारियों को मौके पर बुलाकर करवाया कचरे का उठान

एसबी संवाददाता

कैथल। एडीसी एवं डीएमसी दीपक बाबूलाल करवा ने हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया और सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उनके साथ नगर परिषद की टीम मौजूद रही।

निरीक्षण के दौरान कई जगहों पर कचरे के सैकेंडरी प्वाइंट पाए गए। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को मौके पर बुलाकर कई जगह से कचरे का उठान करवाया और शहर की सफाई को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा मंगलवार सुबह बारिश के बावजूद शहर की सफाई व्यवस्था को जांचने के लिए निकल पड़े। उनके साथ नगर परिषद के ईओ दीपक कुमार मौजूद रहे। सबसे पहले वे जाट कालेज के पास साइट पर पहुंचे, उसके बाद भगत सिंह चौक, पुराना बस स्टैंड, आरकेएसडी कॉलेज के नजदीक अंबाला रोड पर, श्मशान घाट के पास, खुराना रोड, रेलवे गेट, जाखौली अड्डा तथा गीता भवन चौक का निरीक्षण किया।

नपा के कर्मचारियों को मौके पर बुलाया गया और खाली पड़े प्लाटों एवं सैकेंडरी प्वाइंट पर पड़े कूड़े को उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सफाई कार्य को गंभीरता से लिया जाए। डंपिंग प्वाइंट से कचरे का समय पर उठान किया जाए। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे अपने कचरे को डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में ही डाले। जगह जगह कचरा प्वाइंटस न बनाएं और अपने शहर को साफ एवं स्वच्छ बनाने में सहयोग करें। उन्होंने दुकानदारों व आमजन से यह भी आह्वान किया कि वे प्लास्टिक का उपयोग न करें। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत हर मोहल्ला, हर गली, हर मकान को स्वच्छ बनाना हमारा लक्ष्य है और यह लक्ष्य प्रशासन के साथ साथ आमजन से सहयोग से पूरा होगा।

29 अगस्त को जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक, डीसी प्रीति करेंगी बैठक की अध्यक्षता

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। सीटीएम गुरविंद्र सिंह ने बताया कि 29 फरवरी को दोपहर बाद 3 बजे लघु सचिवालय के सभागार में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक की अध्यक्षता डीसी प्रीति करेंगी। इस बैठक में सभी विभागों के विभाग अध्यक्ष मौजूद रहेंगे, ताकि बैठक में रखे गए सभी समस्याओं एवं परिवादों का मौके पर समाधान हो सकें।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, '**संजना भारती**' को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली

वाटसेप नम्बर: 9871221635

क्राइम पर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति : हरियाणा में अपराध दर में आई भारी गिरावट : महिपाल ढांडा

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है और पुलिस को त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए पूरी स्वतंत्रता दी है जिसके चलते समस्त हरियाणा में गंभीर और हिंसक अपराधों में लगातार कमी आई है। एफआईआर पंजीकरण, त्वरित जाँच, त्वरित गिरफ़्तारियाँ और समय पर आरोप-पत्र दाखिल करने से बिना किसी देरी के न्याय सुनिश्चित हो रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्दोष को परेशान नहीं किया जाएगा और किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। विधानसभा में अपराध के आँकड़े साझा करते हुए, मंत्री ने बताया कि 2014-2024 के बीच, जनसंख्या में 13.76% की वृद्धि के बावजूद, हत्याओं में 12.75%, डकैती में 49.41%, लूट में 10.52% और दंगों में 20.78% की कमी आई है। इसके विपरीत, 2004-2014 के दौरान, इन अपराधों में क्रमशः 50.88%, 230.76%, 258.2% और 178% की वृद्धि दर्ज की गई थी।

मंत्री ने कहा कि हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराध रोकथाम में राष्ट्रीय मानक स्थापित किए हैं। साइबर अपराधियों की गिरफ़्तारी प्रतिदिन 5 से बढ़कर 22 हो गई है, और गिरफ़्तार किए गए लोगों में से 75% राज्य के बाहर के हैं। साइबर अपराध नियंत्रण के सभी प्रमुख मानकों पर हरियाणा प्रथम स्थान पर है और सितंबर 2024 में गृह मंत्रालय ने साइबर अपराधों के विरुद्ध लड़ाई में हरियाणा को सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार दिया है।

महिलाओं के विरुद्ध अपराधों का उल्लेख करते हुए श्री ढांडा ने कहा कि 2014-2024 के बीच छेड़छाड़ एवं यौन उत्पीड़न, अपहरण एवं दहेज हत्या के मामलों में क्रमशः 19.19%, 21.54% और 40.3% की गिरावट आई है, जबकि 2004-2014 के दौरान इनमें भारी वृद्धि हुई थी (318.85%, 558.21% और 16.8%)। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, पूरे हरियाणा में 33 महिला पुलिस स्टेशन स्थापित किए गए हैं और प्रमुख स्थानों पर 'दुर्गा शक्ति रैपिड एक्शन फोर्स' तैनात की गई है। उन्होंने कहा कि संगठित अपराध से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए, सरकार ने 2017 में 9 कार्यात्मक इकाइयों के साथ एक विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का गठन किया, जिसने अब तक 2,836 कट्टर अपराधियों को गिरफ्तार किया है।